दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

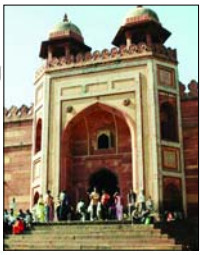

वर्ष 03, अंक 174 | ग्वालियर बुधवार 1 जुलाई 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

पीएम मोदी ने किया बड़ा ऐलान, नंवबर तक 80 करोड़ गरीबों को मिलेगा मुफ्त अनाज

अनलॉक में लापरवाही बढ़ी, सतर्कता दिखाने की जरूरत

नई दिल्ली। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देश को एक बार फिर से संबोधित किया। इस मौके पर बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का विस्तार अब दीवाली और छठ पूजा तक, यानि नवंबर महीने के आखिर तक किया गया है। मोदी ने कहा कि सरकार द्वारा इन पांच महीनों के लिए 80 करोड़ से ज्यादा भाई बहनों को 5 किलो गेहूं या 5 किलो चावल मुफ्त दिया जाएगा। साथ ही हर परिवार को हर महीने 1 किलो चना भी मुफ्त दिया जाएगा। योजना के विस्तार में 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च होगा। आज गरीब को, ज़रूरतमंद को, सरकार अगर मुफ्त अनाज दे पा रही है, इसका श्रेय प्रमुख रूप से दो वर्गों को जाता है। पहला हमारे देश के मेहनती किसान, हमारे अन्नदाता। दूसरा हमारे देश के ईमानदार टैक्सपेयर का योगदान है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां वर्षा ऋतु के दौरान और उसके बाद मुख्य तौर पर एग्रीकल्चर सेक्टर में ही ज्यादा काम होता है। अन्य दूसरे सेक्टरों में थोड़ी सुस्ती रहती है। जुलाई से धीरे-धीरे त्योहारों का भी माहौल बनने लगता है। त्योहारों का ये समय, जरूरतें भी बढ़ाता है, खर्चे भी बढ़ाता है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत गरीबों के लिए पौने दो लाख करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया। बीते 3 महीनों में 20 करोड़ गरीब परिवारों के जनधन खातों में सीधे 31 हजार करोड़ रुपए जमा करवाए गए। 9 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 18 हजार करोड़ रुपए जमा हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ते-लड़ते अब हम अनलॉक-2 में प्रवेश कर रहे हैं। हम उस मौसम में भी प्रवेश कर रहे हैं, जब सर्दी, जुखाम, बुखार जैसी बीमारी होती है। वहीं प्रधानमंत्री नरेनद्र मोदी ने कहा कि दुनिया से तुलना करें तो भारत कोरोना के मामले में संभली हुई स्थिति में है, लेकिन अनलॉक में लापरवाही बढ़ती जा रही है। लोगों को लॉकडाउन की तरह ही सतर्कता दिखाने की जरूरत है। जो नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, हमें उन्हें टोकना होगा, रोकना होगा और समझाना भी होगा। भले ही हम दो गज दूरी को लेकर, बीस सेकंड हाथ धोने को लेकर सतर्क रहे हैं। आज जब हमें ज्यादा सतर्कता की जरूरत है तो लापरवाही बढ़ना बहुत ही चिंता का कारण है। मेरी सभी देशवासियों से प्रार्थना है कि अपना ध्यान रखिए। समय पर किए गए लॉकडाउन और अन्य फैसलों ने भारत में लाखों लोगों का जीवन बचाया है। लेकिन जब से देश में अनलॉक वन हुआ है तब से लापरवाही कुछ बढ़ती जा रही है। पहले हम मास्क को लेकर, दो गज की दूरी को लेकर, 20 सेकेंड तक दिन में कई बार हाथ धोने को लेकर बहुत सतर्क थे। अब सरकारों को, स्थानीय निकाय की संस्थाओं को, देश के नागरिकों को, फिर से उसी तरह की सतर्कता दिखाने की जरूरत है। हम गरीब, पीड़ित, शोषित, वंचित को सशक्त करने के लिए निरंतर काम करेंगे। हम सारी ऐहतियात बरतते हुए इकोनामिक एक्टिविटीज को और आगे बढ़ाएंगे। हम आत्मनिर्भर भारत के लिए दिन-रात एक करेंगे। हम सब लोकल के लिए वोकल होंगे। इसी संकल्प के साथ हम 130 करोड़ देशवासियों को मिलकर संकल्प के साथ काम भी करना है और आगे भी बढ़ना है।

मास्क, फेस कवर जरूर पहनें

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में देशवासियों से अपील करते हुये कहा कि आपसे प्रार्थना करता हूं, आग्रह करता हूं कि स्वस्थ रहिए। दो गज की दूरी का पालन करते रहिए। गमछा, फेसकवर, मास्क का उपयोग करिए और कोई लापरवाही मत करिए।

भड़के राहुल गांधी

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में नहीं किया चीन का जिक्र,

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्र को संबोधित किया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने देश में कोरोना वायरस की मौजूदा स्थिति और अनलॉक-2 आदि मुद्दों पर बात की। इस दौरान मोदी ने 80 करोड़ देशवासियों को नवंबर तक मुफ्त अनाज देने का बड़ा ऐलान भी किया। हालांकि उन्होंने अपने संबोधन में चीन के साथ बॉर्डर पर चल रही टेंशन का एक बार भी जिक्र नहीं किया। चीन के मुद्दे पर लगातार केंद्र सरकार को घेर रहे राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले ही पीएम मोदी से चीन के मसले पर सरकार का पक्ष और कार्यवाही के बारे में जानकारी रखने की अपील की थी। राहुल ने ट्वीट के जरिए कहा था कि चीन के सैनिक लद्दाख में 4 जगहों पर बैठे हैं। नरेंद्र मोदी जी आप देश को बताइयेगा की चायना की फौज को हिंदुस्तान से कब निकालेंगे और कैसे राहुल गांधी के संदेश को दरकिनार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में चीन के मसले को लेकर कोई बयान नहीं दिया। इसके बाद से कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। पीएम के संबोधन के तुरंत बाद राहुल गांधी ने ट्वीट कर शायराना अंदाज में मोदी पर तंज कसा। उन्होंने ट्वीट में लिखा, तू इधर उधर की न बात कर, ये बता कि काफिला कैसे लुटा, मुझे रहजनों से गिला तो है, पर तेरी रहबरी का सवाल है। इस ट्वीट से राहुल ने एक बार फिर चीन के मुद्दे पर पीएम मोदी पर सीधा हमला किया है।

ताज होटल को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई। मुंबई के प्रसिद्ध ताज होटल को पाकिस्तान के कराची से बम से उड़ाने की धमकी दी गई है, जिसके बाद होटल की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। बताया जा रहा है कि आतंकियों ने फोन कर ताज होटल को उड़ाने की धमकी दी है। जानकारी के अ न ु स ा र पाकिस्तान के कराची शहर से ताज होटल को उड़ाने की धमकी भरा कॉल आया, जिसमें कहा गया कि ताज होटल को फिर से 26/11 की तरह उड़ा दिया जाएगा। फोन के बाद मुंबई पुलिस अलर्ट पर आ गई है और होटल की सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है। गौरतलब है कि मुंबई में 26 नवंबर 2008 की रात पाकिस्तान पोषित आतंकियों द्वारा हमले को अंजाम दिया गया था। इस आतंकी हमले को 26/11के नाम से जाना जाता है। एके 47, आरडीएक्स, आइइडी, ग्रेनेड से लैश आतंकवादी अजमल कसाब और उसके नौ दूसरे साथियों ने 26 नवंबर को रात में मुंबई में ताज होटल, ओबेराय होटल, वीटी रेलवे स्टेशन, लियोपार्ड कैफे, कामा हॉस्पिटल आदि जगहों पर हमले किये थे और 60 घंटे की कार्यवाही में 10 आतंकियों के एक छोटे ग्रुप ने 164 निर्दोष लोगों की जान ले ली थी।

चंबल क्षेत्र में कोरोना के नियंत्रण के लिए कमर कसें अधिकारी

मध्यप्रदेश का रिकवरी रेट 76.5 प्रतिशत हुआ, मुख्यमंत्री चौहान ने की समीक्षा

भोपाल । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के चंबल क्षेत्र में कोरोना के नियंत्रण के लिए जिला कलेक्टरों सहित प्रभारी अधिकारियों से सजग रहकर समस्या बढ़ने के पूर्व ही नियंत्रण के प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पूरे प्रदेश में एक जुलाई से प्रारम्भ हो रहे %किल कोरोना अभियान% का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुरैना जिले में कोरोना की समीक्षा करते हुए कहा कि एहतियातन लगाये गये कर्फ्यू को जारी रखा जाए। कमर कसकर रोग नियंत्रण का कार्य हो। मुरैना जिले के प्रभारी अधिकारी प्रमुख सचिव श्री मलय श्रीवास्तव को उन्होंने स्थिति पर निरंतर निगाह रखने को कहा। सोमवार को मुरैना में 59 पॉजीटिव प्रकरण आने की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने चिंता व्यक्त की और मुरैना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। प्रभारी अधिकारी श्री मलय श्रीवास्तव ने बताया कि एक जुलाई से प्रारंभ होने वाले किल-कोरोना अभियान में मुरैना की घनी बस्तियों को भी कवर किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पिछले तीन माह में सभी के मिले-जुले प्रयासों से हम कोरोना को काफी हद तक नियंत्रित करने में सफल रहे है। कोरोना नियंत्रण की दिशा में मध्यप्रदेश देश के अन्य राज्यों के लिये उदाहरण बना है। मध्यप्रदेश की गतिविधियों को हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी सराहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अगले चरण में प्रदेश को कोरोना से पूर्ण मुक्ति दिलाने के लिये %किल कोरोना% अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अभियान में सहभागी बनने का आव्हान किया। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद श्री सुलेमान ने बताया कि मुरैना में रोगियों के लिए पर्याप्त बेड उपलब्ध हैं। संदिग्ध रोगियों को क्वॉरेंटाइन किए जाने के लिए भी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। बाहरी व्यक्तियों के आने से पॉजिटिव प्रकरण आए हैं। कर्फ्यू जारी रहने से सुधार परिलक्षित होगा।ख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी प्रभारी अधिकारी अपने प्रभार के क्षेत्रों की नियमित जानकारी प्राप्त कर किए जा रहे प्रयासों की सतत समीक्षा करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि फीवर क्लीनिक पूरी क्षमता से कार्य करें। बुधवार से प्रारंभ होने वाले डोर टू डोर सर्वे में नागरिकों को रोग के लक्षणों के आधार पर आवश्यक उपचार और मार्गदर्शन उपलब्ध करवाया जाए। वीडियों कान्फ्रेंस और समीक्षा बैठक में जानकारी दी गई कि मध्यप्रदेश कोरोना के नियंत्रण में अन्य प्रदेशों से बेहतर स्थिति में है। प्रदेश में ग्रोथ रेट 1.46 प्रतिशत है जो देश के औसत ग्रोथ रेट से 3.68 से आधे से भी काफी कम है। प्रदेश का रिकवरी रेट 76.5 प्रतिशत है जो प्रथम स्थान (राजस्थान) के 77.1 से थोड़ा ही कम है। प्रदेश में टेस्टिंग सुविधा विकसित होने के फलस्वरूप वायरस नियंत्रण में अच्छी सफलता मिली है। गत 24 घंटे में 9 हजार 855 टेस्ट किए गए हैं। इनमें मात्र 223 पॉजीटिव केस मिले हैं। वीडियो कान्फ्रेंस में यह भी जानकारी दी गई कि प्रदेश में मेडीकल कॉलेज में भी रिकवरी रेट काफी बेहतर हुआ। जबलपुर, इन्दौर, रतलाम, खंडवा मेडीकल कॉलेज सहित भोपाल के चिरायु मेडीकल कॉलेज में रिकवरी रेट 80 प्रतिशत और उससे अधिक है। इस समय प्रदेश में 1106 कंटेंटमेंट क्षेत्र हैं।

भारत और चीन सीमा तनाव के बीच भारत को मिला फ्रांस का साथ

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर भारत और चीन के बीच जारी तनाव के बीच भारत को फ्रांस का साथ मिला है। फ्रांस की रक्षामंत्री ने राजनाथ सिंह को पत्र लिख कर भारतीय जवानों की शहादत पर दुख जताया तो वहीं मंगलवार को फ्रांस के विदेश मंत्री ने भारत में अपने समकक्ष एस जयशंकर से विस्तृत चर्चा की। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इ स क ी जानकारी दी। विदेश मंत्री ने बताया कि आज फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-यवेस ले ड्रियन से कई मसलों पर विस्तृत वार्ता हुई। इसमें कोरोना से निपटने का मुद्दा प्रमुख रहा। इसके साथ ही सुरक्षा और राजनीतिक प्रतिबद्धता पर भी चर्चा हुई। कोरोना के खिलाफ जंग में एक दूसरे के सहोयग पर बात हुई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में समर्थन देने के लिए शुक्रिया अदा किया वहीं फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली ने भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को एक पत्र लिख कर कहा कि यह सैनिकों, उनके परिवारों और राष्ट्र के खिलाफ एक कठिन आघात था।

पाक ने फिर किया संघर्ष विराम का किया उल्लंघन

जम्मू। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के नौगाम सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम चौकियों पर बिना किसी उकसावे के गोलीबारी कर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। सेना के एक अधिकारी ने कहा, पाकिस्तान ने 30 जून 2020 को तड़के उत्तर कश्मीरी जिले कुपवाड़ा के नौगाम सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास बिना किसी उकसावे के मोर्टार के गोले दागकर और गोलीबारी कर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की इस हरकत का मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है।अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।इससे पहले जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा एलओसी पर पाकिस्तान की तरफ से संघर्षविराम सीजफायर उल्लंघन का भारतीय सेना ने 11 जून को मुंहतोड़ जवाब दिया है।

59 ऐप्स पर बैन लगाए जाने से परेशान हुआ चीन

नई दिल्ली। भारत-चीन सीमा विवाद पर जारी तनाव के बीच भारत सरकार द्वारा 59 चाइनीज ऐप्स को प्रतिबंधित किए जाने को लेकर चीन की प्रतिक्रिया सामने आई है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि इससे हम काफी चिंतित हैं। मामले की और जानकारी ले रहे हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा, %ऐप के बैन होने पर चीन काफी चिंतित है।% उन्होंने कहा, %हम इस बात पर जोर देना चाहते हैं कि चीनी सरकार हमेशा चीनी व्यवसायों को अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय कानूनों का पालन करने के लिए कहती है। भारत सरकार के पास चीनी निवेशकों सहित अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के कानूनी अधिकारों को बनाए रखने की ज़िम्मेदारी है। भारत सरकार ने टिकटॉक, हेलो, वी-चैट समेत 59 चाइनीज ऐप्स को बैन कर दिया था। सरकार ने कहा था कि ये ऐप देश की संप्रभुता, अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक हैं। आईटी मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि उसे विभिन्न स्रोतों से कई शिकायतें मिली हैं, जिनमें एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कुछ मोबाइल ऐप के दुरुपयोग के बारे में कई रिपोर्ट शामिल हैं। इसके बाद टिकटॉक ने एक बयान जारी किया। टिकटॉक ने कहा कि उसने चीनी सरकार समेत किसी भी विदेशी सरकार के साथ यूजर्स का डाटा शेयर नहीं किया है और न ही भविष्य में वह ऐसा करेगी। टिकटॉक ने कहा, %हमें जवाब देने और स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए संबंधित सरकारी हितधारकों के साथ मिलने के लिए आमंत्रित किया गया है। टिकटॉक भारतीय कानून के तहत सभी डाटा गोपनीयता और सुरक्षा आवश्यकताओं का पालन करता है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश

एमपी में सीएम शिवराज के मंत्रींमंडल विस्तार की लिस्ट रिजेक्ट

केन्द्रीय नेतृत्व ने थमाई नई दो डिप्टी सीएम की सूची

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह को केन्द्रीय नेतृत्व ने पहली बार बड़ा झटका दिया है, उनके द्वारा दी गई मंत्रीमंडल के विस्तार की सूची को रिजेक्ट कर दिया गया है। उसकी जगह दूसरी सूची तैयार कराई जिसमें दो डिप्टी सीएम है, जिसे केन्द्रीय नेतृत्व ने अपनी मुहर लगा दी है। खासबात तो यह है कि नई सूची में शिवराज के चहेतों के नाम विशेष रुप से हटा दिए गए है। बताया जाता है कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के मंत्रीमंडल विस्तार को लेकर पिछले कई दिनों से सरगर्मी तेज है, अपने अपने स्तर पर कयास लगाए जा रहे है, कि फलां विधायक को मंत्री बनाया जाएगा, फलां को पहली पसंद माना जा रहा है। इन सब के बीच शिवराजसिंह चौहान ने मंत्रीमंडल विस्तार की सूची तैयारी की और पहुंच गए दिल्ली, जहां पर उनकी लिस्ट को देखते ही केन्द्रीय नेतृत्व ने रिजेक्ट कर दिया। राजनीति के माहिर खिलाड़ी शिवराजसिंह चौहान को संभवतः यह पहला झटका लगा है कि उनकी बनाई गई सूची को रिजेक्ट किया गया है। इसके बाद मंत्रीमंडल विस्तार की नई सूची तैयार की गई जिसमें दो डिप्टी सीएम का बनाने की बात सामने आई, हालांकि जिन्हे डिप्टी सीएम बनाना है वे शिवराजसिंह की पसंद के नहीं है, यहां तक कि श्री चौहान की पसंद को लगभग दरकिनार ही कर दिया गया है। खबर यह है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया व भाजपा के बीच पहले ही समन्वय के साथ एक सूची बना ली गई थी जिसमें तुलसी सिलावट व नरोत्तम मिश्रा को डिप्टी सीएम बनाना तय कर लिया गया था, लेकिन शिवराजसिंह चौहान की लिस्ट में डिप्टी सीएम को कोई स्थान नहीं दिया गया है, जिसके चलते उनकी सूची को रिजेक्ट कर दिया गया। चर्चा यह भी है कि सीएम शिवराजसिंह चौहान ने मंत्रीमंडल की सूची बनाते वक्त उन नामों में भी काट छांट कर दी थी जिन्हे ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिया था, केन्द्रीय नेतृत्व ने भी कुछ लोगों को आपरेशन लोटस के वक्त मंत्री बनाने का वायदा किया था, लेकिन शिवराजसिंह चौहान उन्हे मंत्री बनाने के मूड में बिलकुल नहीं थे, ऐसे में केन्द्रीय नेतृत्व ने सूची में हस्तक्षेप किया और नई लिस्ट थमा दी, जिसमें शिवराज सिंह चौहान के पसंदीदा चेहरों को सबसे पहले हटा दिया गया।

अभियान की सफलता हेतु सभी के सहयोग की अपील

विकास खण्ड पथरदेवा एवं देसही देवरिया में संचारी रोग नियंत्रण अभियान हेतु कार्यशाला आयोजित

डा.रमेश यादव

देवरिया। विकास खण्ड पथरदेवा एवं देसही देवरिया में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के सफलता के लिये आहूत ग्राम प्रधानो एवं पंचायत सचिवों की कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी अमित किशोर ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के नियंत्रण में आप सभी ने बहुत मेहनत की है तथा सभी के सहयोग से जनपद में रिकवरी रेट प्रदेश के अन्य जनपदों से 15-20 प्रतिशत अधिक है। उन्होने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण में अपना सक्रिय योगदान दें गांवो में जागरुकता लाये, साफ-सफाई सुनिश्चित करायें तथा वृक्षारोपण अभियान को भी सफल बनायें। जिलाधिकारी श्री किशोर ने कहा कि ए.डी.ओ. पंचायत परिषदीय विद्यालयों की साफ-सफाई व सेनेटाईज्ड का कार्य सफाईकर्मियों के द्वारा कल से अनिवार्य रुप से सुनिश्चित करो। उन्होने कहा कि विकास कार्यो की पुस्तिका सभी ग्राम प्रधान अपने ग्राम पंचायतो का बनाये, अभिलेखो का रख-रखाव बेहतर तरीके से करे। कम्यूनिटी शौचालय का निर्माण सुनिश्चित करायें एवं राज्य वित्त आयोग के उपलब्ध धनराशियों से पल्स आक्सीमीटर व इन्फ्ररारेड थर्मामीटर क्रय कर उसे आशा कार्यकत्रियों को उपलब्ध कराये एवं निगरानी समितियों को सक्रिय करते हुए गांवो में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगो का स्क्रीनिंग अनिवार्य रुप से सुनिश्चित कराये। उन्होने संचारी रोग अभियान को सफल बनाने में सभी के सहयोग की अपील की। मुख्य विकास अधिकारी शिव शरणप्पा जी एन में कहा कि शौचालय निर्माण के लिये उपलब्ध पैसो से शौचालय बनवाये एवं उसका उपयोग करने हेतु सभी को जागरुक करें। पेंशनपरक एवं अन्य योजनाओं में यह सुनिश्चित करें कि कोई भी लम्बित प्रकरण न रहे तथा कोई पात्र योजनाओं से वंचित न रहें। उन्होंने ग्राम प्रधानों से कहा कि अपने गांव में कराए गए कार्यों की डिजिटल डायरी बनवाएं तथा कार्यो की आडिट अवश्य ही करायें। मुख्य चिकित्साधिकारी डा.आलोक पाण्डेय ने कहा कि कल से संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरु होगी जो 31 जुलाई तक चलेगी। इस महत्वपूर्ण अभियान में ग्राम प्रधान व पंचायत सेक्रेटरी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाएं। लोगों को जागरूक करें तथा इसके सफलतापूर्वक संपादन में अपनी महत्ति भूमिका निभाएं जिससे कि वेक्टर जनित बीमारियां न फैले तथा जनपद का हर बच्चा स्वस्थ रहे। इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा ब्लाक परिसर में बृक्षारोपण किया गया। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0डी0वी0शाही ने कहा कि ग्राम प्रधान एवं सभी के सहयोग से जे0ई0/ए0ई0एस0 नियंत्रण में जनपद को काफी सफलता मिली है। उन्होने कहा कि यह जनपद टीकाकरण तक दस्तक अभियान के तहत जायेगी और इससे लोगो को जागरुक करेंगी। उप कृषि निदेशक डा0 ए0के मिश्र कृषि विभाग की संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी के साथ टिड्डियों से बचने के उपायों को बताया। समाज कल्याण अधिकारी रामपाल यादव ने पेंशन परक योजनाओं की पात्रता आदि की जानकारी दी तथा बताया कि अनुसूचित जाति के लिए टेलरिंग की नई योजना लागू की गई है इसके तहत 20 हजार का ऋण दिया जाएगा, जिसमें 10 हजार का अनुदान दिया जाएगा तथा केवल 10 हजार की धनराशि 36 किश्तो में लाभार्थी को जमा करनी होगी। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा0 वसंत साठे ने संचारी रोग से बचने के लिए सुअर वाडो को आबादियों से दूर रखने तथा पशुपालन हेतु विभाग की संचालित योजनाओं से अवगत कराया। प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी पी.के. गुप्ता द्वारा यह बताया गया कि 5 जुलाई से बृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित होगा, इसमें सभी लोग अपनी भागीदारी निभाएं। नर्सरी में पौधों की पर्याप्त उपलब्धता है। जिला पंचायत राज अधिकारी आनंद प्रकाश ने साफ सफाई सुनिश्चित कराए जाने के साथ साथ कहा कि गांव में जलभराव न हो इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। जिला पूर्ति अधिकारी विनय कुमार सिंह ने राशन कार्ड बनाए जाने के संबंध में जानकारी दी। जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रभात कुमार ने कन्या सुमंगला योजना एवं निराश्रित महिला पेंशन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बायोलॉजिस्ट एवं वेक्टर जनित रोग विशेषज्ञ परामर्शदाता डॉ एस के पांडेय ने मच्छरों से बचाव,छिड़काव आदि की जानकारी से अवगत कराया। आपदा प्रबन्धन के संबंध में बृजेश पांडेय ने आकाशीय बिजली सहित अन्य आपदाओं से बचने की जानकारी दी। नायब तहसीलदार सदर धर्मबीर भारती ने राजस्व विभाग के संचालित योजनाओं पर प्रकाश डाला। डब्लू.एच.ओ. के मो. हसन ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान के बारीकियों से अवगत कराया। कार्यशाला का संचालन डी0पी0एम0 राजेश कुमार के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विकास खंड अधिकारी पथरदेवा आलोक सिंह, देसही देवरिया ओम प्रकाश, देसही देवरिया ब्लाक प्रमुख मुकेश कुमार यादव, ए.डी.ओ. पंचायत गण, पंचायत सेक्रेटरी व ग्राम प्रधान गण अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी गण आदि उपस्थित रहे।

ट्रांसप्लांट किए हुए ज्यादातर वृक्ष सूखे

इन्दौर। मंगलवार को गांधीनगर इन्दौर MPRDCL के टेन्डर पर पीडी इन्फास्ट्राक्चर के द्वारा सुपर कॉरिडोर चौराहा से पितृ पर्वत तक बने इस रोड़ पर सैकड़ों की संख्या में छायादार बड़े वृक्ष थे जिन्हें डेढ़ साल पहले गांधीनगर चौराहे से हटाकर निगम की मदद से खाली जगह में ट्रांसप्लांट किया गया था। जिसमें से सत्तर प्रतिशत वृक्ष जिनकी आयु 10 वर्ष से 80 वर्ष तक थी जो पनप नही पाये। यही हाल सुपर कारीडोर चौराहा से पित्रेश्वर हनुमान मंदिर तक सड़क के दोनों किनारे ट्रांसप्लांट किए हुए वृक्षों का है।

ग्रह एवं स्वास्थ्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा का जोरदार स्वागत

दतिया। सोनागिर तिराहा पर माननीय नरोत्तम मिश्रा जी ग्रह एवं स्वास्थ्य मंत्री का जोरदार स्वागत किया गया! मार्गदर्शक धीरू दांगी मंडी उपाध्यक्ष एवं बरौनी मंडल अध्यक्ष प्रवीण पाठक द्वारा युवा नेता जीतू अहिरवार बानो ली के नेतृत्व मैं सैकड़ों कार्यकर्ता अहिरवार समाज के क्षेत्रीय युवा कार्यकर्ताओं ने मंत्री जी का तहे दिल से स्वागत एवं धन्यवाद प्रकट किया इस कोरे ना संकट मैं मंत्री जी एवं उनके पुत्र आदरणीय शुक्रण मिश्रा जी एवं आदरणीय विवेक मिश्रा जी द्वारा बाहर से आए हुए प्रवासी मजदूरों एवं परेशानी से जूज रहे अपने विधानसभा क्षेत्र के सभी जरूरतमंद भाइयों को घर घर जाकर राहत सामग्री वितरण की उन्होंने ऐसी महामारी में भी अपनी जान की परवाह किए बिना दिन रात अपने विधानसभा क्षेत्र के दौरे किए की हमारा कोई भी भाई भूखा ना सोए यही सोच कर हम सब क्षेत्र के युवाओं ने माननीय मंत्री जी का धन्यवाद प्रकट किया! आदरणीय मंत्री जी ने धीरू दांगी का एवं प्रवीण पाठक जी सभी कार्यकर्ताओं से कहकर माल्यार्पण करवाया माल्यार्पण करने वाले जीतू अहिरवार बर्नोली ,अजय अहिरवार सुनार, रामकुमार होती सिंह बागोर, रुपेश रिंकू राज बमरोल, राकेश सुरेश सोनू महेंद्र ब्रजकिशोर बर्नोली, भजन मकुनी रविंद्र कल का पुरा लोकेंद्र सोनागिर गोपी राम मुरेरा वकील गोविंदपुर मनोज अहिरवार पातीराम कुशवाहा जय हिंद आदि!

मंडी तुलावटियों ने मॉडल एक्ट के विरोध में अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

करेरा। जिले की करेरा मंडी तुलावटियों ने मॉडल के विरोध में तहसील कार्यालय पहुंचकर अनुविभागीय अधिकारी को मॉडल एक्ट वापस लेने की मांग को लेकर करेरा मण्डी के तुलावटी समिति ने स्त्रद्व करैरा को सौंपा ज्ञापन।

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मॉडल एक्ट लागू कर दिया है जिसके अंतर्गत किसानों को मंडी में अनाज ना बेचकर सीधे व्यापारियों को माल बेचने का प्रावधान है जिसके चलते मण्डी में कार्यरत तुलावटी प्रभावित हो रहे हैं उसी को लेकर आज करेरा मण्डी के तुलावटियों ने तुलावटी कृषि कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष रज्जन शर्मा जी के साथ एसडीएम साहब को ज्ञापन सौंपा जिसमें उनके द्वारा बात कही गई कि यदि उनकी बात 1 जुलाई तक स्वीकार नहीं की गई तो वह अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठेंगे। ज्ञापन देने तुलावटी कृषि कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष रंजन शर्मा सुनील मिश्रा मनोज पाठक प्रमोद भार्गव उमाशंकर मानसिंह, आजाद, गजेंद्र सिंह ओम प्रकाश कैलाश एवं दर्जनों की संख्या में उपस्थित रहे।

टीआई पीके चतुर्वेदी की कार्यवाही

लहार पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ में आरोपियों को किया गिरफ्तार

(अर्पित गुप्ता)

लहार। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में जिले में चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार कंचन व एसडीओपी लहार के मार्गदर्शन में लहार टीआई पीके चतुर्वेदी को अवैध हथियारों के साथ में आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल हुई हैद्ध विदित रहे कि पुलिस को जरिए मुखविर सूचना मिली कि ग्राम रहावली बीहड़ गांव में बाल्मीकि समाज के लोग बैठे है जिन पर अवैध हथियार हैद्ध मुखविर की सूचना की तस्दीक करने हेतु थानाप्रभारी उपलब्ध पुलिस बल के साथ में मौके पर पहुंचे तो पुलिस को देखकर दो लोग खेतों की ओर भागे, जिनको पुलिस बल की सहायता से घेरकर पकड़ा गयाद्ध पुलिस ने जब इनका नाम और पता पूछा तो पहले व्यक्ति ने अपना नाम नेतराम पुत्र मुन्नीलाल बाल्मीक व दूसरे ने अपना नाम सियाराम बाल्मीक पुत्र मुन्नीलाल बाल्मीक बतायाद्ध

थानाप्रभारी लहार के मुताबिक दोनों पकड़े गए आरोपी आपस में भाई हैद्ध इनमें से नेतराम से पुलिस ने एक 12 बोर इकनाली बंदूक व 8 कारतूस तथा दूसरे भाई सियाराम बाल्मीक के कब्जे से एक 32 बोर की पिस्टल बरामद हुई हैद्ध पुलिस ने उक्त हथियारों के संबंध में लायसेंस का होना पूछा तो उन्होंने नहीं होना बतायाद्ध पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है तथा पुलिस द्वारा आगे की पूछताछ आरोपियों से की जा रहीं हैद्ध उक्त आरोपियों को पकड़ने में थाना प्रभारी लहार टीआई पीके चतुर्वेदी, उपनिरीक्षक केएस गुर्जर, एएसआई मातादीन शाक्य, आरक्षक दीपेन्द्र, भूरा आदि की सराहनीय भूमिका रहीं है।

करैरा विधानसाभा उप चुनाव में अभ्यारण बना मुद्दा, सक्रिय हुए ग्रामीण बनाया सोनचिरैया मुक्ति मोर्चा

करैरा शिवपुरी। पिछ्ले 40 वर्षों से हर बार चुनाव आते ही राजनेता सोनचिरैया अभ्यारण मुक्ति के नाम पर 32 गांव की जनता को उल्लू बना अपना हित साधकर विधायक एवं सांसद बनते रहे है। उसके बाद सोनचिरैया अभ्यारण जो क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या है उसको भूल जाते है। न तो यहां सोनचिरैया बची है लेकिन क्षेत्रवासिओं के लिये ये अभ्यारण जरूर गले की हड्डी बना हुआ है क्योंकि अभ्यारण की वजह से उक्त क्षेत्र में जमीन की रजिस्ट्रियों पर रोक लगी है, किसान अपने मकान नही बना पा रहे है, युवाओं की शादियां नही हो पा रही इनसब तकलीफों के बाद भी नेताओ ने अभ्यारण हटाने के नाम पर कोरा आश्वासन ही दिया है। 2018 के विधानसभा चुनाव में सिंधिया जी ने अपनी सभा में कहा था कि आप जसवंत जाटव को विधानसभा भेजो और हमारी सरकार बनती है तो अभ्यारण्य को बंद कर दिया जायेगा। परंतु नेताओं के झूठे आश्वासन के सिवाय आज तक कुछ नहीं मिला जब चुनाव आते है तो नेता सोन चिरैया को मुद्दा बनाकर वोट ले जाते है इसके बाद सब भूल जाते है अब इन 32 गावों के लोगों ने एक राय होकर कहा कि हम पूर्व विधायक जसवंत जाटव को दुबारा अपना वोट नहीं देंगे, अगर देंगे तो पहले हमारी मांग को पूरा करो, इसी सोन चिरैया अभ्यारण्य को लेकर 32 ग्रामो की जनता ने फैसला किया है कि गांव गांव जाकर मीटिंग लेंगे एवं पैदल मार्च कर कलेक्ट्रेट पर बिशाल धरना प्रदर्शन करेंगे एवं सरकार से मांग करते हैं हमारी मांग सोन चिरैया अभ्यारण को समय रहते नही हटाया गया तो 32 गांव मिलकर आनेवाले उप चुनाव में सरकार के समीकरण भी बदल सकते है इस मीटिंग में अशोक रावत करही श्री निबास रावत करही, नीरज शर्मा करही, कमलेश तिवारी भैसा, कृष्ण पाल सिंह वैश, नरेंद्र सोलंकी सिलरा, श्री कान्त पाठक दिहायला, अशोक रावत सरपंच दिहायला, राजेंद्र रावत सरपंच अन्दोरा, पंजाब रावत, बीरेन्द्र तिवारी, दुर्ग सिंह सिकरवार, राजेंद्र जाटव करही, जितेंद्र सिंह रावत एवं सैकड़ों किसान उपस्थित हुए थे।

हेलो ऑगनवाडी फोन इन कार्यक्रम 1 जुलाई को

ऑगनवाडी कार्यकर्ता किल कोरोना अभियान में करेगी सर्वे

प्रदेश भर में एक जुलाई से किल कोरोना अभियान की शुरूआत की जा रही है। लगातार 15 दिन तक चलने वाले इस अभियान में ऑगनवाडी कार्यकर्ता भी व्यापक सर्वेक्षण का कार्य करेंगी। ऑगनवाडी कार्यकर्ताओं को कोविड-19 से बचाव एवं सुरक्षा की जानकारी देने के लिए 1 जुलाई को सजीव फोन इन कार्यक्रम हेलो ऑगनवाड़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें सुबह 10 से 11 बजे के मध्य सजीव फोन इन कार्यक्रम में ऑगनवाडी कार्यकर्ताओं से सीधे बात करेंगे और किल कोरोना सर्वे के दौरान अपनी सुरक्षा और बचाव कैसे करें, इसकी जानकारी देगें। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश के सभी आकाशवाणी केन्द्रों से प्रसारित होगा। लाइव फोन इन कार्यक्रम में 0755-2660902 अथवा 0755-2660903 पर डायल कर अपने प्रश्न पूछे जा सकते है।

बेहतर कार्य कर रहा बिलासपुर का श्री श्री संस्कार केंद्र

आर्टऑफ लिविंग के उत्कर्ष योगा शिविर में सीखा बहुत कुछ

अभिषेक मिश्रा राज्य ब्यूरो प्रमुख हिमाचल प्रदेश

आर्टऑफ लिविंग का उत्कर्ष योगा (आर्ट एक्सेल) कोर्स जूम एप पर राज्य स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। बिलासपुर से भी तीन बच्चों ने इसमें भाग लिया। आनन्द और मस्ती से भरपूर इस कोर्स से 8 वर्ष से 13 वर्ष तक की आयु के बच्चे लाभान्वित हुए। मनोरंजन के साथ-साथ अनेक जीवन उपयोगी बातें भी सीखीं। कोर्स प्रशिक्षक श्रद्धा (रुकमणी) दीदी ने बच्चों को सूर्य नमस्कार, सुदर्शन क्रिया, योग एवं ध्यान के माध्यम से एकाग्रता का अभ्यास, मोबाइल का कम से कम प्रयोग करने, मेडिटेशन एवं प्राणायाम आदि क्रियाओं द्वारा स्वस्थ जीवन शैली सिखाई गई। ब्रेन पावर को बढ़ाने के लिए भी अनेक उपयोगी टिप्स दिये गये। बिलासपुर के तीन बच्चों ध्रुव, पुष्टि और देवन सोनी ने भी इस शिविर में भाग लिया। इन बच्चों ने बताया कि वह पिछले तीन सालों से श्री श्री संस्कार केंद्र बिलासपुर से जुड़े हुए हैं जहां पर उनके साथ और बच्चे भी भौतिक रूप में इससे पहले भी आर्ट एक्सेल का कोर्स कर चुके हैं। बच्चों ने बताया कि बिलासपुर में आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षकों रचना मेहता, मीरा भोगल तथा शिल्पा मेहता आए भी उन्हें बहुत सीखने को मिला है। बच्चों के अभिभावकों ने भी इस कोर्स की भरपूर सराहना की। उत्कर्ष योग कार्यक्रम द्वारा बच्चे में स्वयं उस के लिए और दूसरों के लिए सम्मान की भावना जागृत करना सिखाया जाता है। इस कार्यक्रम में सिखाई जानेवाली श्वास की सरल तकनीकें बच्चे को उसकी

नकारात्मक भावनाओं जैसे भय, घबराहट, व्यग्रता, कुंठा, ईर्ष्या आदि को पराजित करने का सरल साधन बन सकती हैं। यह कार्यक्रम संपूर्ण रूप से खेल खेल में सिखाने वाला, सहज, मनोरंजक और आनंद से भरा है। इसके सभी अभ्यास और प्रक्रियाएं प्रतिभागियों की उम्र को ध्यान में रख कर विशेष रूप से रूपांकित की गयी हैं। इस कार्यक्रम में बच्चे दैनिक जीवन के ऐसे नियम सीखते हैं; जो उनमें मित्रवत व्यवहार, क्षमाशीलता और परस्पर सम्मान की भावना को उभारते हैं। उत्कर्ष योग कार्यक्रम बच्चों को अध्यात्म से परिचित कराने का, मानवीय मूल्यों की शिक्षा पाने का, स्व-अनुशासन का और उनके व्यक्तित्व के स्वस्थ व बहुमुखी विकास का सर्वोत्तम मार्ग है।

अनाथ व बेसहारा बच्चों के कल्याणार्थ चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पात्र बच्चों तक पंहुचाएं - विनय धीमान

अभिषेक मिश्रा राज्य ब्यूरो प्रमुख हिमाचल प्रदेश

अनाथ व बेसहारा बच्चों के कल्याणार्थ चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र बच्चों तक पंहुचाने के लिए हर संभव प्रयास करें ताकि कोई भी पात्र बच्चा सरकार की योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रहे। यह बात एडीएम विनय धीमान ने जिला स्तरीय बाल संरक्षण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होने बताया कि जिला में चाईल्ड हेल्प लाईन पूर्ण रूप से कार्य कर रही है। अव्यस्क बच्चों के बारे में किसी भी आपातकालीन स्थिति में चाईल्ड हेल्प लाईन टोल फ्री नम्बर 1098 पर डायल कर सकते है। उन्होने बताया कि बाल-बालिका संरक्षण योजना के तहत जिला में 165 अनाथ बच्चों को चिन्ह्ति किया गया है जिसमें से 32 बच्चों को इस योजना के अंतर्गत लाभान्वित किया जा चुका है। चालू वित्त वर्ष में 79 बच्चों को इस योजना के तहत 10 हजार 42 हजार 188 रुपये देकर लाभान्वित किया गया है जबकि 9 बच्चों को इस योजना के अंतर्गत लाभान्वित करने की प्रक्रिया अमल में लाई जा रही है। उन्होने बताया कि अनाथ बच्चों को गोद लेने के लिए ऑनलाईन आवेदन जमा करवाए जाते है। उन्होने बताया कि अब तक जिला में 19 दम्पतियों को पंजीकृत किया गया है। उन्होने बताया कि अनाथ बच्चों की भूमि/सम्पति उनके नाम करवाने के लिए वर्तमान में जिला के 18 वर्ष से कम आयु के 165 अनाथ बच्चे पहचान में लाए गए है। उन्होने बताया कि 42 अनाथ बच्चों के नाम भूमि/सम्पति दर्ज करवाई जा चुकी है। उन्होने ऐसे बच्चें जिनके दादा-दादी अभी जीवित है, भूमि/सम्पति बच्चों के नाम नहीं हो पाई है, उनके लिए राजस्व विभाग व तहसीलदार को उनकी भूमि/सम्पति के अधिकारों को सुरक्षित करवाने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि शिक्षा का समान अधिकार के तहत बाल मजदूरी व भीख मांगने वाले या किसी भी अपराधिकता से पीड़ित बच्चों को शिक्षित करने के लिए बाल आश्रम में भेजकर उनके शिक्षा के अधिकार को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला में बाल देखभाल संस्थान छोड़ने वाले बालकों की पश्चातवर्ती देखभाल योजना के तहत बाल देखभाल छोड़ने वाले किसी भी बालक को 18 वर्ष की आयु पूरी करने के पश्चात 21 वर्ष तक की आयु तक समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उन्हें व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। वर्ष 2019-20 में 3 लाख 30 हजार रुपये व्यय करके 12 बच्चों को लाभान्वित किया गया जबकि चालू वित्त वर्ष के दौरान 12 बच्चों को प्रशिक्षण दिलाने के लिए 1 लाख 44 हजार रुपये की डिमांड भेजी गई है। इसके अतिरिक्त बाल संरक्षण योजना, केन्द्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण, वन स्टॉप सैंटर योजना, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, सूचना शिक्षा एंव सम्प्रेशन शिविर, शिशु पालना स्वागत केन्द्र, परामर्श सुविधा, लैंगिक शोषण रोकथाम, किशोर न्याय बोर्ड इत्यादि 21 मदों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। उन्होंने लोगों से आहवान किया कि बाल संरक्षण योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय या दूरभाष नम्बर 01978-221514, जिला बाल संरक्षण अधिकारी के कार्यालय या दूरभाष नम्बर 01978-221614 पर सम्पर्क कर सकते है। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष अमरजीत सिंह बंग्गा, एमओएच डॉ. परविन्द्र, उप निदेशक प्रा0 शिक्षा सुदर्शन कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी अंजू बाला, जिला बाल संरक्षण अधिकारी रमेश सांख्यान, जिला श्रम अधिकारी प्यारेलाल साहू, संस्थागत संरक्षण अधिकारी रीना चन्देल, संरक्षण अधिकारी गैर-संस्थागत शैली गुलेरिया उपस्थित रहे।

प्रदेश में किल कोरोना अभियान की शुरूआत आज से

डोर-टू-डोर होगा सर्वे, मुख्यमंत्री चौहान द्वारा आम नागरिकों से सहयोग की अपील

भोपाल। कोविड-19 के व्यापक सर्वेलेन्स के लिए प्रदेश भर में 15 दिवसीय %किल कोरोना अभियान% चलाया जायेगा। इसकी शुरूआत एक जुलाई को होगी। अभियान 15 जुलाई तक चलेगा। प्रदेश के सभी जिलों में वायरस नियंत्रण और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान में सरकार और समाज साथ-साथ कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आमजनों से अपील की है कि %किल कोरोना अभियान% में घर-घर पहुंच रहे सर्वे दल को आवश्यक जानकारी देकर सहयोग करें। सर्दी- खांसी जुकाम के साथ डेंगू, मलेरिया, डायरिया आदि के लक्षण पाए जाने पर भी जरूरी परामर्श और उपचार नागरिकों को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने इन कार्यों में सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखने का आग्रह किया है। देश के इस अनूठे और बड़े अभियान से अन्य प्रदेशों तक भी एक सार्थक संदेश पहुँचेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 6 दिन पहले कमिश्नर-कलेक्टर की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में

निर्देश दिए थे कि %किल कोरोना अभियान% के लिए आवश्यक तैयारियाँ प्रारंभ की जाये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि कोरोना वायरस को समाप्त कर ही चैन की सांस लूँगा, इसे अमली जामा पहनाने के लिए राज्य सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य मिशन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अल्प अवधि में ही यह तैयारी की गई है। %किल कोरोना अभियान% में डोर-टू-डोर सर्वे के लिए पूरे प्रदेश में 11 हजार 458 सर्वे टीम लगाई जायेंगी। प्रत्येक टीम को नॉन कान्टेक्ट थर्मामीटर, पल्स ऑक्सीमीटर और जरूरी प्रोटेक्टिव गियर उपलब्ध कराया जायेगा। किल कोरोना अभियान में सर्वे द्वारा एस.ए.आर.आई./आई.एल.आई. के संदिग्ध मरीजों के साथ-साथ मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया आदि के संदिग्ध मरीजों को भी चिन्हांकित कर इनकी प्रविष्टि %सार्थक एप% में की जायेगी। कोविड-19 के संदिग्धों की जिनकी प्रविष्टि %सार्थक एप% पर की जाती है, के सम्बन्धित क्षेत्रों में मेण्ड एम.एम.यू. द्वारा सेम्पलिंग की जायेगी। रोजाना चिन्हित किये गये संदिग्धों की सेम्पलिंग के बाद उनकी टेस्टिंग आर.टी.पी.सी.आर. और टी.आर.यू.एन.ए.टी. के माध्यम से की जायेगी। प्रदेश भर में एस.ए.आर.आई./आई.एल.आई. सर्वे के बाद चिन्हित संदिग्धों के 3 लाख से ज्यादा सेम्पल लिये जायेंगे। रोजाना 21 हजार टेस्ट किये जाने की क्षमता विकसित की जा रही है। इसमें प्रदेश के औसत पॉजीटिविटी से अधिक पॉजीटिविटी वाले 13 जिलों में सघन सेम्पलिंग आर.टी.पी.सी.आर. और टी.आर.यू.एन.ए.टी. के जरिए होगी। ऐसे 29 जिले जहां पाजीटिविटी दर प्रदेश के औसत से कम है, में जनरल सर्वेलेन्स के लिए पूल्ड सेम्पलिंग के निर्देश दिये गये हैं।

वन महोत्सव को बनाएं जन-आन्दोलन : मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वन महोत्सव के अवसर पर शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जनसाधारण में पौधरोपण के प्रति जागरूकता लाने के लिए प्रति वर्ष वन महोत्सव मनाया जाता रहा है। प्रदेश की वन नीति का मुख्य आधार वनों के बेहतर प्रबंधन से पर्यावरण संरक्षण तथा स्थानीय ग्राम समुदाय को रोजगार उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन प्रबंधन में ग्रामीणों की सहभागिता को अधिक व्यावहारिक और पारदर्शी बनाने के लिए संयुक्त वन प्रबंधन को अपनाया गया है। प्रदेश की पर्यावरणीय सुरक्षा एवं जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए गैर वन भूमियों पर अधिकाधिक वृक्षारोपण करके हरित आवरण को बढ़ाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि

पौधारोपण के साथ ही पौधों की सुरक्षा भी करें

हरे आवरण में वृद्धि के लिये कृषकों की भूमियों पर पौधारोपण के लिए प्रदेश में राज्य बांस मिशन एवं ग्रीन इंडिया मिशन द्वारा योजनाएं चलाई जा रही है। इन योजनाओं की सफलता एवं प्रदेश को हरा-भरा बनाने में जनसाधारण की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है। मिशन में योजनाएं संचालित कर किसानों को निजी भूमि पर वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित करें, जिससे प्रदेश का वनाच्छादन भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेशवासियों से आव्हान किया कि वन महोत्सव को जन आंदोलन का स्वरूप देते हुए पौधारोपण के साथ ही पौधों की सुरक्षा भी करें। पौधरोपण के लिए निकट की वन रोपणी से संपर्क कर तकनीकी मार्गदर्शन तथा पौधे प्राप्त किए जा सकते हैं।

दिग्विजय के ट्वीट पर एक बार फिर पुलिस के पास पहुंची भाजपा, क्राइम ब्रांच से की लिखित शिकायत

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के खिलाफ सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक बार फिर पुलिस थाने पहुंची है। भाजपा ने दिग्विजय पर भ्रामक ट्वीट करने का आरोप लगाते हुए भोपाल क्राइम ब्रांच में लिखित शिकायत की है। दिग्विजय के खिलाफ यह शिकायत भाजपा आईटी सेल के प्रदेश संयोजक शिवराज सिंह डाबी को लेकर किए गए एक ट्वीट को लेकर की गई है। प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह ने सोमवार को एक ट्वीट करते हुए मध्य प्रदेश भाजपा के आईटी सेल के संयोजक शिवराज सिंह डाबी को लेकर एक ट्वीट किया था। इस ट्वीट में दिग्विजय सिंह ने पूछा था कि क्या ये वही शिवराज डाबी हैं, जिसका नाम एफबीआई की मोस्ट वांटेड सूची में भरा है? इस ट्वीट के साथ ही दिग्विजय सिंह ने दो फोटो भी पोस्ट किए थे, जिसमें एक फोटो में शिवराज सिंह डाबी का परिचय लिखा है तो दूसरी फोटो में डाबी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फूल से स्वागत करते दिख रहे हैं। एक और ट्वीट में दिग्विजय ने एक फोटो शेयर किया। इसके अलावा दिग्विजय सिंह ने इसी मुद्दे पर तीन और ट्वीट भी किए हैं। इन्ही ट्वीट्स को लेकर भारतीय जनता पार्टी क्राइम ब्रांच पहुंची और दिग्विजय सिंह की शिकायत करते हुए कहा है कि दिग्विजय सिंह ने जानबूझकर शिवराज डाबी की छवि खराब करने की मंशा से अपने ट्विटर एकाउंट से मनगढ़ंत सामग्री शेयर की है। शिवराज सिंह डाबी का कहना है कि दिग्विजय सिंह ने मुझे समाज में नीचा दिखाने की मंशा से मुझ पर निराधार आरोप लगाते हुए मुझे एफबीआई का इंडियन सायबर फ्यूजिटिव कहा है। दिग्विजय सिंह को यह जानकारी है कि मेरे खिलाफ अमेरिका के किसी भी न्यायालय में कोई मामला विचाराधीन नहीं है, न ही वर्तमान में कोई अमेरिकी जांच एजेंसी मेरे खिलाफ किसी तरह की जांच कर रही है।

सामाजिक न्याय विभाग ने शासन को भेजा प्रस्ताव

जुलाई में बेटियों को मिल जाएगी कन्यादान राशि

भोपाल । मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह और निकाह आयोजन में शादी करने वाले युगल को अब योजना के तहत राशि मिलने की संभावना बढ़ गई है। इस बारे में एक प्रस्ताव सामाजिक न्याय विभाग की तरफ से शासन को भेजा है। इसमें पेंडिंग राशि जारी करने के लिए बजट मांगा है। यह राशि 89 करोड़ से ज्यादा है। संभवतः जुलाई में सरकार ये बजट विभाग को दे देगी। इसके बाद ये राशि उन बेटियों को दी जाएगी, जिन्होंने सम्मेलन में शादी की थी। प्रदेश में पिछले एक साल में सामूहिक विवाह सम्मेलन के दौरान 17 हजार 500 से ज्यादा शादियां हुई थी। इसमें ब्याहने वाली प्रत्येक बेटी को कन्यादान योजना के तहत 51 हजार रुपए देना थे, लेकिन एक भी बेटी को यह राशि नहीं मिली है। अब उम्मीद है कि अगले माह जुलाई में उन्हें ये राशि मिल जाएगी। इस बारे में एक प्रस्ताव सामाजिक न्याय विभाग की तरफ से शासन को भेजा है। इसमें पेंडिंग राशि जारी करने के लिए बजट मांगा है। यह राशि 89 करोड़ से ज्यादा है।राजधानी भोपाल सहित प्रदेशभर के नव युगल जोड़े शासन-प्रशासन से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अभी तक एक भी नवदम्पत्ति को 48 हजार नहीं मिल पाए हैं। इस कारण कई घरों में रोजी-रोटी का संकट गहरा गया है। वहीं कई जोड़ों में झगड़े बढ़ने लगे हैं। इसकी एक वजह यह है कि कोरोना वायरस के कारण किए गए लॉकडाउन में सारी गतिविधियां रुक गई थीं।

किराना व्यापारी की दुकान को बदमाशों ने बनाया निशाना, ताले चटकाकर उड़ाया हजारों का माल

भोपाल। राजधानी के बैरसिया थाना इलाके में बेखौफ बदमाश लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, बीते 4 दिनों में अज्ञात आरोपी तीन बड़ी वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। बीते दिन आरोपियों ने किराना दुकान को अपना निशाना बना कर नकदी सहित हजारों का माल उड़ा। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक फरियादी सोनू सिंघी ने शिकायत करते हुए बताया कि थाने के ठीक सामने सड़क के दूसरी ओर उसकी किराने की दुकान है। रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात अज्ञात बदमाशों ने उसकी दुकान के ताले चटका दिए। इसके बाद भीतर घुसे बदमाशों ने कैश काउंटर में रखे 12 हजार की नगदी, किराना सामान सहित करीब 50 हजार का माल समेट लिया और चंपत हो गए।

राजधानी में अब बिजली की तरह पानी की बिलिंग शुरू

भोपाल । बिजली की तरह शहर के कई घरों में पानी का बिल फिर पहुंचना शुरू हो गया है। लॉकडाउन की वजह से यह रूक गया था। रीडर घर पहुंचकर मीटर देख कर बिलिंग कर रहे हैं। यानि जितना पानी उपयोग करेंगे, उतना पैसा चुकाना पड़ेगा। नगर निगम ने दो लाख घरों में स्पॉट बिलिंग करने का लक्ष्य रखा है। कुछ महीने पहले तक 10-11 हजार घरों में स्पॉट बिलिंग चल रही थी। पर गड़बड़ी की शिकायतें और करार खत्म होने पर यह इसका जिम्मा संभाल रही कंपनी ने आगे काम करने से इंकार कर दिया। ऐसे में नगर निगम ने स्पॉट बिलिंग के लिए दूसरी कंपनी का चयन किया। अगले तीन साल में शहर के करीब दो लाख घरों व कॉलोनियों में स्पॉट बिलिंग का टारगेट रखा गया है। अनुमान लगाया जा रहा है कि 40 हजार घरों में मीटर से बिलिंग होने पर निगम का जलप्रदाय पर होने वाला नुकसान 50-60 करोड़ की जगह 10 से 12 करोड़ रुपए रह जाएगा। जेएनएनयूआरएम में करीब 415 करोड़ रुपए की लागत से शहर में फीडर मैन,

ओवरहेड टॉकियां, डिस्ट्रीयूशन नेटवर्क और मीटर लगाने का काम दस साल पहले शुरू किया गया था। मौजूदा स्थिति में फीडर मैन, टॉकियों का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। डिस्ट्रीयूशन नेटवर्क करने के साथ घरेलू व बल्क कनेशन देने और मीटर लगाने का काम चल रहा है। नगर निगम दो लाख घरों व कॉलोनियों में घरेलू व बल्क मीटर लगाने का टारगेट रखा है। फिलहाल एक लाख घरों में कनेशन के साथ मीटर लगाने का दावा निगम कर रहा है। जोन 14 व 15 के करीब 15 हजार घरों में निगम मीटर लगा चुका है। यहां बिजली की तरह पानी की बिलिंग होने लगी थी। हर महीने तय 180 रुपए की बजाय बिल 250 से 350 रुपए तक आने लगा। कुछ मामले ऐसे भी सामने आए कि उपभोक्ता को हजारों रुपए का बिल थमा दिया गया। यह शिकायतें निगम के आला अफसरों तक पहुंची। ऐसे में संबंधित एजेंसी से यह काम छीन लिया गया। इस बीच करीब ढाई हजार घरों से मीटर चोरी होने की जानकारी भी सामने आई। लिहाजा निगम ने इस काम के लिए दूसरी एजेंसी का चयन किया।

मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में बन रही देश की सबसे बड़ी मिर्च मंडी,देश की पहली मिर्च मंडी गुंटूर

भोपाल। मध्यप्रदेश को एक और नई पहचान मिलने वाली है।मप्र में देश की सबसे बड़ी मिर्च मंडी बनने जा रही है। खरगोन जिले को इसके लिए चुना गया है। बलवाड़ी में कृषि मंत्री कमल पटेल ने इसका लोकार्पण किया। इसका नाम पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर होगा। देश की पहली और सबसे बड़ी मिर्च मंडी आंध्रप्रदेश के गुंटूर में है।यहां सबसे ज्यादा मिर्च की खरीद-बिक्री होती है। लेकिन अब गुंटूर को पीछे छोड़कर एमपी में देश की सबसे बड़ी मिर्च मंडी बन रही है। यहां की मिर्च देश में नहीं विदेश में भी फेमस है। खरगोन जिले की बलवाड़ी में देश की पहली सबसे बड़ी मिर्च मंडी बन रही है। मंडी का पहले चरण का काम पूरा हो गया है। कृषि मंत्री कमल पटेल ने 8 करोड़ 13 लाख रुपए की लागत से पहले चरण में पूरे हुए कार्यों का लोकार्पण कर दिया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 13 करोड़ की लागत से दूसरे चरण के काम भी जल्द शुरू होगा। बलवाड़ी में 8 करोड़ 13 लाख रुपये की लागत से बनी मिर्च और फल सब्जी मंडी का मंत्री कमल पटेल ने ई-लोकार्पण किया। लोकार्पण के साथ ही मंडी का नाम पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी के नाम पर रखने की घोषणा की। मंडी के निर्माण के लिए 21 मार्च 2018 में पूर्व कृषि मंत्री गौरी शंकर बिसेन ने भूमिपूजन किया था। मंडी के लोकार्पण अवसर पर उपस्थित पूर्व कृषि राज्य मंत्री बालकृष्ण पाटीदार ने कहा जिले में फल, सब्जी मंडी की आवश्यकता थी। बलवाड़ी में 35 एकड़ जमीन पर ये मंडी बनायी जा रही है। मंत्री कमल पटेल ने कहा किसानों की उपज को गांव से मंडी तक पहुंचाने का मार्ग पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से आसान किया था।

सरकार के 100 दिन पूरे..कांग्रेस ने मनाया काला दिवस

भोपाल में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा की अगुवाई में प्रदर्शन

भोपाल। मध्यप्रदेश में शिवराज सरकार के 100 दिन पूरे होने पर कांग्रेस काला दिवस मना रही है। कांग्रेस ने बीजेपी पर आरोप लगाया है कि बीजेपी ने जनादेश की हत्या कर प्रदेश में सरकार बनाई है इसलिए सरकार के 100 दिन पूरे होने पर कांग्रेस काला दिवस मनाएगी। प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर पूरे प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने काला दिवस मनाते हुए प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। राजधानी भोपाल में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा की अगुवाई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शिवराज सरकार के खिलाफ काला दिवस मनाया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश की शिवराज सरकार के खिलाफ जमकर

नारेबाजी करते हुए काले गुब्बारे भी उड़ाए। प्रदर्शन के दौरान पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी ने प्रदेश की चुनी हुई कमलनाथ सरकार को षडयंत्र रचकर गिराया है और उपचुनाव में जनता इसका जवाब देगी। वहीं राजधानी भोपाल में ही हड्डू ने भी काला दिवस मनाया और मंडला में एनएसयूआई नेता की हत्या के विरोध में जमकर प्रदर्शन किया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदेश सरकार का पुतला भी फूंका। एनएसयूआई प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने बताया कि प्रदेश में बीजेपी ने पहले तो लोकतंत्र की हत्या की और अब प्रदेश की पूरी कानून व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया है ऐसे में प्रदेश में लगातार आपराधिक प्रकरण बढ़ रहे हैं,मंडला में एनएसयूआई पदाधिकारी सोनू परोचिया की हत्या दिनदहाड़े बजरंग दल के कुछ कार्यकर्ताओं ने की लेकिन सरकार हाथ पर हाथ रखकर मंत्रिमंडल का विस्तार करने में लगी हुई है।

संपादकीए

लापरवाही की पराकाष्ठा

कोरोना महामारी से निपटने को लेकर अमेरिकी प्रशासन जिस रास्ते पर चल रहा है, उससे तो यह लग रहा है कि दुनिया में इस मुल्क से ज्यादा लापरवाह शायद ही कोई देश होगा, जो अपने हजारों लोगों की जान की कीमत पर अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने के सपने देख रहा है। अमेरिका में कोरोना संक्रमित लोगों का आंकड़ा ढाई लाख की संख्या को पार कर चुका है और मरने वालों की संख्या पांच हजार से ज्यादा हो चुकी है। फिर भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश में लॉकडाउन यानी पूर्ण बंदी करने के पक्ष में नहीं हैं। ट्रंप को लग रहा है और जैसा कि वे साफ कह भी चुके हैं कि पूर्ण बंदी का मतलब है अमेरिका की अर्थव्यवस्था को भारी धक्का लगना, जो पहले ही से संकटों का सामना कर रही है। इसलिए नागरिकों के जीवन की कीमत पर देश की अर्थव्यवस्था को डूबने से बचाने का फैसला न केवल अमानवीय है, बल्कि अमेरिकी राष्टपति के अविवेकी फैसले का परिचायक भी माना जाएगा। इस वक्त दुनिया में कुछ ही देश होंगे जो पूर्ण बंदी जैसे अहम कदम को उठाने से बचना चाह रहे हैं। चीन के बाद इटली, स्पेन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन सहित कई देशों में कोरोना जिस तरह से कहर बरपा रहा है, उससे पूरी दुनिया ने सबक लिया और महामारी को फैलने से रोकने के लिए सबसे पहले पूर्ण बंदी जैसा कदम उठाया। लेकिन अमेरिकी राष्टपति ट्रंप अभी भी पूर्ण बंदी को फिजूल की कवायद करार दे रहे हैं। उन्होंने बचाव के लिए सिर्फ लोगों से दूरी बनाए रखने और बिना काम बाहर न निकलने जैसे कदम को ही पर्याप्त माना है और सामाजिक दूरी का यह कदम भी सिर्फ 15 अप्रैल तक के लिए था, जिसे हालात की गंभीरता को देखते हुए तीस अप्रैल तक बढ़ाना पड़ा है। जबकि हकीकत यह है कि दुनिया के सबसे ताकतवर इस मुल्क की हालत इटली से भी बदतर होने के स्पष्ट संकेत हैं। व्हाइट हाउस के चिकित्सा सलाहकार डॉक्टर एंथनी फॉसी साफ कह चुके हैं कि पूर्ण बंदी नहीं होने से अमेरिका में कोरोना से मरने वालों की संख्या दो लाख तक पहुंच सकती है। अमेरिकी प्रशासन के एक शीर्ष अधिकारी की यह चेतावनी कंपकंपी पैदा कर देने वाली है। जाहिर है, अमेरिका सबसे ज्यादा खतरनाक स्थिति में पहुंच चुका है और अब तक के इतिहास की सबसे बड़ी तबाही देख सकता है। ट्रंप भी इस बात को समझ चुके हैं और इसीलिए उन्होंने कहा भी है कि अगर हम मरने वालों की संख्या को एक लाख पर भी रोक पाए तो यह बड़ी उपलब्धि होगी। कोरोना फैलने और इसकी गंभीरता को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सबसे पहले पूर्ण बंदी करने का ही सुझाव दिया था। लेकिन इटली, अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों ने इसे तवज्जो नहीं दी। अब ब्रिटेन में संकट गहराता जा रहा है और वहां के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन कह भी चुके हैं कि अभी हालात और बदतर हो सकते हैं। ब्रिटेन में जिस तेजी से कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं और मरने वालों का आंकड़ा बढ़ रहा है, वह बड़ी आपदा की ओर इशारा कर रहा है। सवाल यह है कि जानते-बूझते भी अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने आखिर पूर्ण बंदी को अहमियत क्यों नहीं दी? दुनिया में जब ऐसी संक्रामक महामारियों ने हमला किया है तो उन देशों ने बचाव का पहला उपाय संक्रमित लोगों को दूसरों से अलग करने का अपनाया। यह हैरत की बात है कि ज्ञान-विज्ञान से लेकर हर से संपन्न ये देश अपनी ही लापरवाही का खमियाजा भुगत रहे हैं।

आखिर कोरोना का यह चक्रव्यूह कब टूटेगा

कोरोना वायरस ने विश्व भर में त्राहि-त्राहि मचा रखी है, कोरोना कहर से कोई देश अछूता नहीं छुटा हैं विश्वभर में लाखों की संख्या में लोग कोरोना संक्रमण के चक्रव्यूह में फँसकर दम तोड़ चुके हैं ,कोरोना का यह चक्रव्यूह कब टूटेगा इस बारे में कह पाना मुश्किल है द्य हालांकि कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण स्कूल कॉलेज, धार्मिक स्थल,यातायात,कारखाने, बाजार, व्यवसाय पूरी तरह से ठप हैं द्य अर्थव्यवस्था की रीढ़ टूटने की कगार पर हैं द्य कोरोना के आगे कई शक्तिशाली देश घुटने टेक चुके हैं द्य ऐसे में हमारी सरकारें शक्तिमान के सहारे दम टेक रही है द्य शक्तिमान कौन हैं आगे लेख में स्पष्ट करता हूँ द्य कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को भाँपते हुए हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संपूर्ण देश में डेढ़ माह पहले ही लॉकडाउन कर 2 गज की शारिरिक दूरी और साफ -सफाई पर जोर देते हुए आमजनता से सहयोग की अपील की थी द्य जनता का भी भरपूर साथ मिलने का ही नतीजा है कि भारत में कोरोना का कहर तेजी से नहीं फैल पाया द्य हालांकि लॉक डाउन के तीसरे चरण में केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों को कोरोना से निपटने के लिए फैसला लेने की छूट दी हैद्य अवसरवादी कुछ राज्य सरकारों ने कोरोना से निपटने के नाम पर ओर आर्थिक दशा का रोना रोकर शराब विक्रय से प्रतिबंध हटाकर दरिद्रता और खस्ताहाल होने का परिचय दे दिया द्य संकट के इस दौर में सरकारी भूख ने यह स्पष्ट कर दिया है कि शराब के बिना सरकार की अर्थव्यवस्था के पैर लड़खड़ा गए हैं और लड़खड़ाते पैरों को सम्भलने के लिए शराब ही एकमात्र सहारा है द्यजैसे ही शराब की दुकानें खुलने का फैसला कुछ राज्यों मे आया तो सरकारों के भूखे पेट भरने के लिए इन शक्तिमानों ने संकट मोचक का रोल अदा किया औऱ जान जोखिम में डाल चिलचिलाती कड़ी धूप में 3-3किलोमीटर लंबी कतार लगाकर सरकार की दीनता, दरिद्रता, दूर करने के भरसक प्रयास किये और सरकारी खजाने को सोमरस का पान कर हराभरा कर दिया,पहले ही दिन रिकॉर्ड शराब बिकीं द्य प्रश्न यह है कि क्या राज्य सरकारें इन्हीं होनहार,पालनहार, शक्तिमानों के भरोसे कोरोना की जंग जीतेगी ? वर्तमान परिदृश्य में शराब सेवन करने वाले इन लोगों को शराबी, बेवड़ा,पियक्कड़ आदि शब्दो से पुकारना गलत होगा, सरकार के लिए शराब सेवन करने वाला यह वर्ग शक्तिमान बनकर उभरा है द्य सरकारें इन शक्तिवर्धक, शक्तिमान के बलबूते खजाने तो भर लेगी लेकिन जनता को कोरोना का ग्रास बनने से कैसे रोकेगी ? अब बात करते है मध्यप्रदेश सरकार की आलम यह है कि प्रदेश के कई जिले तो पूरी तरह से लॉकडाउन है ओर कुछ जिलों में किराना, दूध, सब्जी,ओर अन्य दैनिक उपयोगी वस्तुओं के लिए अमूमन 1दिन छोड़कर या दिन में लगभग 6 घण्टे कि छुट दी जा रही है द्य जिले के कलेक्टरों को समय सारणी बनाकर कोरोना से जंग लड़ने के लिए फ्री हैंड किया गया है, लेकिन सरकार का दौहरा चरित्र तब सामने आ गया जब शराब की दुकानों का संचालन करने के लिए राज्य सरकार ने प्रतिदिन 12 घण्टे की समय सारणी निर्धारित की और जिलेभर के कलेक्टरों को समय सारणी में किसी भी तरह का बदलाव ना करने का तुगलकी फरमान जारी कर दिया द्य दिल्ली में तो शराब विक्रय पर कोरोना से जंग के लिए बकायदा फीस वसूली जा रही है तो किसी राज्य में यह फैसला सरकार के लिए गले की हड्डी बन गया है द्य शराब की दुकानों पर 2 गज शारीरिक दूरी की धज्जियाँ उड़ रही है द्य ऐसे में कोरोना ने घर-घर दस्तक दे दी तो स्थिति को संभालना मुश्किल हो जाएगा द्य सरकारी भूख के लिए शराब विक्रय की छूट देना डॉक्टर,स्वास्थ्य कर्मी, सफाईकर्मी, पुलिस, प्रशासन, मीडिया आदि जो रात-दिन अपनी सेवाएँ दे रहे हैं के गाल पर तमाचा हैं द्य सरकार को खजाना भरने ओर कोरोना से लड़ने के लिए एक विकल्प यह भी हो सकता था कि हमारे देश के लोग जो करोडों की संख्या में विदेशों में रहते हैं से अपील कर आर्थिक सहायता लेनी चाहिए थी, विशेषज्ञों से परामर्श लेकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए मॉडल बनना चाहिए था, कई और भी रास्ते हो सकता थे, लेकिन शराब की दुकानें खोल देने का यह निर्णय बचकाना औऱ कोरोना को आमंत्रण देना हैं द्य सरकारी भूख से ग्रस्त राज्यों को गुजरात, बिहार,मिजोरम, नागालैंड राज्यो की शराबबंदी से सीख लेना चाहिए की वे कैसे शराब बेचे बिना अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे है द्य यह कहना अतिश्योक्ति नही होगा कि कोरोना की इस जंग में आम जनता अपना सब कुछ गंवाकर जीत गई लेकिन सरकारी भूख हार गई ।

एक गृह युद्ध

एक और गृहयुद्ध
घर के बारे में
पिता और माता
बच्चे उदास हैं
पिता का बुरा हाल था
माँ के साथ मारो
किकिंग
बहुत बुरे शब्दों के लिए
क्या बकवास है?
कौन सा बेवकूफ बता रहा है
ज़िन्दगी गुलज़ार है?
यहाँ हर दिन
पिता और माता
गृह युद्ध में घर
पड़ोसियों के साथ आनंद लें
वहां खोलें
क्वार्टर आधा ब्रांडी रम
के साथ मुस्कुराता है
पिता का चेहरा ...
बिना मजाक किए
आंसू और चिंता
कई हैं ... रोज़
यह चीन युद्ध नहीं है ...
केवल हमारा पारिवारिक युद्ध है .... ??

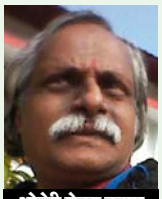

ओतेरी सेल्वा कुमार

बाल कविता - नन्हा सिपाही

बनकर नन्रा सिपाही,
मैं देश के काम आऊँगा।
दादा जी,मेरे प्यारे दादा जी
मैं सीमा पर लड़ने जाऊँगा।।

दुश्मन मचा रहा आतंक,
मैं भी उनसे लड़ जाऊँगा।
पापा लड़ते है सीमा पर,
मैं उनका साथ निभाऊँगा।।

हैं पास मेरे छोटी बंदूक मेरी,
मैं दुश्मन पर उसे चलाऊँगा।
साथ है मेरे छोटे-छोटे साथी,
मैं सबको वहाँ ले जाऊंगा।।

हम सब बेशक हो छोटे बच्चे,
लेकिन देश के काम आएँगे।
अपनी बाल सेना बनाकर,
दुश्मन को वहाँ से भगाएंगे।।

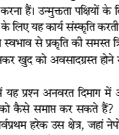

नीरज त्यागी
ग़ाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश)

लघु कथा

चार रोटी

रोहित मेरे घर के पास ही रहता था । डॉक्टर बनने की तैयारी कर रहा था ,हर समय अपनी किताबों के साथ व्यस्त रहता था ।परन्तु बिना भूल प्रत्येक रविवार को बिना भूले मेरी डोर बेल बजाता था,आंटी हर बार की तरह चार रोटियां बनाकर रखी है।और मै भी मुस्कराते हुए कहती थी बिल्कुल ,उसका नियम था रविवार को सोसायटी घरों से चार चार रोटियां कलेक्ट करता था ।फिर चार रोटियों की बात थी ।हम ने कभी रोहित से जिद कर पूछा नहीं , और उसने कभी बताया नहीं .. पर कल शाम में एक पार्टी से आई थी ,तो नीद देर से खुली ,और रोहित हर बार की तरह डोर बेल बजकर पूछता है ,आंटी चार रोटियां .. सॉरी रोहित आज रोटियां नहीं बन पाई दरअसल... कल में । वह कुछ देर सोचने के बाद कोई बात नहीं आंटी ,,पर आज मैने मन पक्का कर लिया था ।रोहित आज जरूर पूछूंगी आखिर चार रोटियों का रहस्य क्या है,।आखिर मैं रोहित के आने का इंतजार है कर रही थी।

रोहित को आता देख अपने पास बुलाया पूछा ...

सरिता गोयल
मुरैना(म,प्र)

तुम्हारा यह चार रोटी ,प्रत्येक रविवार का नियम क्या है । कुछ नहीं एक छोटी सी पहल है ,मतलब ... ?

आंटी हम सात दोस्तो ने सात दिन बांट लिए ,हर दोस्त अपने दिन के अनुसार अपनी सोसायटी से रोटियां कलेक्ट कर ,, उन भूख से व्यकुल उस पेट तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे ।जो हमारी खाने के साथ आने की राह देखते है,,सच आंटी खाना खाने के बाद उनके चेहरे पर जो हसी होती है,,वह हर दर्द व थकान भुला देती है ।

उसकी बात सुनकर मेरी आंखो में दर्द के आंसू थे ,जो हमने कभी भूख के साथ अहसास ही नहीं किए। अब तो में हर रविवार का इंतजार करने लगी ,और वह चार रोटियां देने में आनंद की अनुभूति होने लगी ,,रोहित की परोपकार और मानवता की भावना मन को छू गई ,,

सतर्क रहेंगे तो बात सर्जरी तक नहीं पहुंचेगी

वह जमाना बहुत पीछे छूट चुका है जब गर्दन दर्द, पीठ दर्द, कमर दर्द हो या स्लिप्ड डिस्क जैसी समस्याएं, उन्हें वृद्धावस्था के लक्षण माना जाता था और जवानी का मतलब था बेपरवाही से उछलते-कूदते जीवन कट जाना। लेकिन अब 25-30 साल के लोग भी कमर पकड़े नजर आ जाते हैं या फिर पीठ दर्द से परेशान रहा करते हैं। दुनिया भर में हुए बहुत सारे अध्ययनों से यह बात पता चली है कि विश्व में हर आठवां आदमी पीठ के दर्द अथवा स्लिप्ड डिस्क की वजह से होने वाले दर्द का शिकार है। स्लिप्ड डिस्क की समस्या का हमारी शारीरिक क्रियाओं से संबंध होता है और उठने, बैठने, झुकने की अपनी गलत आदत की वजह से हम इसके चंगुल में फंस जाते हैं। एक झटके से उठना, बैठना सही नहीं होता और कभी भी हमारे शरीर के लिए समस्याएं खड़ी कर सकता है। इसके अलावा ऐसी कोई दुर्घटना जिससे रीढ़ की हड्डी पर प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष दबाव पड़ा हो, तेज चोट लगी हो, स्लिप्ड डिस्क का कारण बन जाया करती है। कभी-कभी गलत तरीके से अथवा अपनी क्षमता से बहुत अधिक वजन उठा लेने से भी यह समस्या उत्पन्न हो सकती है। स्लिप्ड डिस्क की परेशानी पैदा होने के बाद तंत्रिका पर प्रभाव पड़ता है जिससे पीठ, गर्दन और शरीर के निचले हिस्से में बहुत तेज दर्द होता है। कोई-कोई मरीज शरीर के प्रभावित होने वाले अंगों के सुन्न हो जाने की भी शिकायत करता है। धीरे-धीरे पैरालिसिस की स्थिति आ जाने का खतरा भी रहा करता है। कई बार शरीर क ानिचला हिस्सा कमजोर पड़ जाता है, जिससे मरीज खुद से अपने पैरों पर नहीं खड़ा हो पाता है। खांसते समय अथवा टहलते हुए भयंकर दर्द होता है। कभी-कभी मरीज अर्द्ध बेहोशी की स्थिति में चला जाया करता है और कई मरीज नियमित रूप से बेहोशी के दौरे पडने की भी शिकायत करते हैं। नई दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल के न्यूरो एंड स्पाइन डिपाटमेंट के डायरेक्टर डा. सतनाम सिंह छाबड़ा का कहना है कि स्लिप्ड डिस्क का एक बहुत बड़ा कारण बढ़ती हुई उम्र भी है जब डिस्क में विकार आने लगते हैं और उसमें लोच नहीं रह जाती।

काली है गौरी है, मोटी है पतली है

देख पापा वो लोग जज करते है
अभी तक पढ रही है, इतना क्या पढ रही है
सिलेक्शन नहीं हो रहा, शादी करदो अब नहीं तो कब
कह कह के पापा वो लोग जज करते है
नौकरी लग गई, आत्मनिर्भर हो गई तो पर निकल आये
कह कह के पापा वो लोग जज करते है
चार लोगो से बात न करे तो घमंडी है और बोले तो मुहफट है
कह कह के पापा वो लोग जज करते है
भाई बहन की मुश्किल घड़ी में साथ खडी रही तो तेज है बदमाश है
कह कह के पापा वो लोग जज करते है
क्या इस तेज आवाज से वो लोग जज करते है
या बैखोफ बोलती हुई लड़की देख जज करते है
क्या कारण है पापा वो लोग क्यूं जज करते है।।

गुंजन स्वामी
कनिष्ठ सहायक
महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर

गरमी।

छंद--सुगत सवैया

आतप,ताप भरा भू,अम्बर, विकट रूप ग्रीष्म ऋतु आयी ।
रुद्र रूप दिनकर ने धारा,देह तपी धरणी अकुलायी ।

जेठ मास की तपिश कँटीली, सूख गए वन उपवन सारे ।
लू के घायल करे थपेड़े ,त्राहि माम हर प्राण पुकारे ।
महासमर का दृश्य डराता,उग्र अगन दे रही दिखाई ।
रुद्र रूप दिनकर ने धारा,देह तपी धरणी अकुलायी ।।

खग विह्वल हो इत उत घूमें,कोमल पाँख रहे मुरझाए ।
नदी,नाल जल रहित हुए सब,कहां छुपें कित प्राण बचाएं ।
नियति बनी निर्मम जब भारी ,हुआ श्वास लेना दुखदायी ।

रुद्र रूप दिनकर ने धारा,देह तपी धरणी अकुलायी ।

राह-रात भर सजनी तकती,याद सजन की बहुत सताए ।
है चहुँ ओर जलन के घेरे, तड़प विरह की सही न जाये ।
जीर्ण हो रही निर्मल काया, पी के संग गयी तरुणाई।
रुद्र रूप दिनकर ने धारा,देह तपी धरणी अकुलायी ।

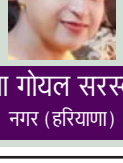

रीना गोयल सरस्वती
नगर (हरियाणा)

नेपोटिज्म के कारण अवसाद में प्रतिभा!

अक्सर कहा जाता है कि किसी की प्रतिभा छप जाती हैं और किसी की छिप जाती हैं लेकिन यथार्थ में बहुत सारी प्रतिभा को छिपा दिया जाता है। ये केवल एक क्षेत्र में नहीं होता है बल्कि प्रत्येक क्षेत्र में होता हैं।

बॉलीवुड व राजनीति ने तो भाई भतीजावाद की नींव में सीमेंट डाल कर बहुत मजबूत कर दिया है।बहुत सारे नवयुवक अपनी प्रतिभा का सही इस्तेमाल नेपोटिज्म के कारण नहीं कर पा रहे हैं अथवा उन्हें उचित स्थान नहीं दिया जा रहा है। इसके कारण वो अवसाद में चले जाते हैं और हानिकारक कदम उठा लेते हैं। नेपोटिज्म को मिटाना बहुत ही मुश्किल हैं क्योंकि जो शीर्ष पर बेठे है वो नेपोटिज्म के कारण ही बेठे है तो फिर नेपोटिज्म को कैसे मिटा सकते हैं। हालांकि नामुमकिन नहीं हैं। एक दृष्टि से देखा जाए तो बहुत सारे व्यक्तियों ने नेपोटिज्म में होते हुए भी बहुत पसीना बहाकर अपने आप को क़ाबिल बनाया हैं। बहुत लोगों ने नेपोटिज्म की कोई परवाह किए बिना अपना कॅरियर बनाया और बहुत बड़े बड़े पद हासिल किए।इसलिए खुद को इतना क़ाबिल बना दो की किसी भी तरह का नेपोटिज्म आपका कुछ भी नहीं बिगाड़ सके।फिर भी प्रतिभा को उचित स्थान नहीं मिलने पर उनके अंदर का जुनून समाप्त हो जाता है और भविष्य की चिंता उन्हें अवसाद तक ले जाती हैं।

राजनीति के पंजे भी पूर्ण रूप से नेपोटिज्म में लिप्त हो चुके हैं जो देश के भविष्य के लिए बहुत बड़ा हानिकारक सिद्ध हो सकते हैं। राजनीति एक नेतृत्व करने की सत्ता हैं पर जब इसमें नेतृत्व करने वाला ही असक्षम होगा तो फिर गम्भीर समस्या पैदा हो सकती हैं। जहां तक नेपोटिज्म की बात करें तो कभी कभी लगता है कि इसमें परीक्षा से पहले परिणाम सुरक्षित हो जाता हैं।आज के परिदृश्य में जहां भी देखों भाई - भतीजावाद अपनी नींव को मज़बूत करने में लगा हुआ है बहुत क्षेत्रों में नींव की मंज़िल भी बना दी गई हैं। अल्प बुद्धी वाले व्यक्ति का किसी बड़े स्तर पर पहुंचने में नेपोटिज्म का ही प्रमुख सहारा होता हैं। राजनीतिक नेपोटिज्म देश के लिए ख़तरनाक साबित हो रहा है तुच्छ सोच वाला व्यक्ति जब शीर्ष पर पहुँच जाता है तब देश का गर्त में जाना अवश्यंभावी हैं।

कवि दशरथ प्रजापत
पथमेड़ा, जालोर (राजस्थान)

यहाँ पर कुछ नेपोटिज्म अथवा अन्य कारणों से मनुष्य के अवसाद को दूर करने के कुछ उपायों की बात की गई हैं आधुनिकता का परिवेश मर्यादित जीवन को कोसों दूर ले जा रहा है।एक ओर जहां लोगों पर काम का बोझ बढ़ता जा रहा है, वहीं दूसरी ओर रिश्तों में बढ़ता खालीपन लोगों को अवसाद की ओर धकेलता है। अवसादग्रस्त व्यक्ति सिर्फ मानसिक तौर पर ही परेशान नहीं होता, बल्कि वह स्वयं को शारीरिक रूप से भी परेशान करता है। इतना ही नहीं, इसके कारण कई बार व्यक्ति की जान पर भी आफ़त आ जाती है।आज मनुष्य छोटी छोटी बातों को लेकर चिंतित हो उठता हैं। संयम और धैर्य से कोसों दूर मनुष्य ने स्वार्थ के सभी रास्तों में जाकर खुद को तनावग्रस्त पाया हैं। अब मनुष्य की अल्प बुद्धी ने इस बीमारी को मानसिक रूप से विकसित तो कर लिया लेकिन इससे निजात पाना नहीं सीखा। अवसादग्रस्त व्यक्ति अपनी समस्त अच्छाइयों को भूल जाता हैं और बुराईयां का अपने मानसिक पटल पर पहाड़ पैदा कर देता है।

अवसाद से लड़ने के लिए जरूरी है कि आप खुद को मानसिक रूप से मजबूत बनाएं।

इसमें मेडिटेशन और एक्सर्साइज आपकी बहुत मदद कर सकते हैं।

व्यायाम आपको सिर्फ शारीरिक रूप से ही स्वस्थ नहीं रखता, बल्कि यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी उतना ही जरूरी है। आजकल लोग अपने काम में इतने बिजी हो जाते हैं कि वह खुद को आराम देना जरूरी ही नहीं समझते। लेकिन ये छोटी सी बात आपको अवसाद की ओर ढकेल सकती हैं। आज के समय में लोगों के पास अपने रिश्तों के लिए समय ही नहीं है। ऐसे में धीरे-धीरे व्यक्ति को अकेलापन सताने लगता है और फिर व्यक्ति अवसादग्रस्त हो जाता है।परिवार के साथ भी समय व्यतीत करें।

लेकिन आज की स्थिति को यथार्थ में देखा जाए तो मनुष्य का प्रकृति के साथ अत्याचार करना शरीर को मानसिक और शारीरिक रूप से गर्त में ढकेलना सिद्ध हो रहा हैं।

अनायास सब कुछ प्राप्त करने की चाह रखने वाले मनुष्य ने प्रकृति की नींव तक में प्रहार कर दिया है मनुष्य का अवसादग्रस्त होने का मुख्य कारण प्रकृति के खिलाफ़ कार्य करना हैं। उन्मुक्तता पक्षियों के लिए स्वर्ग होती है, मनुष्य के लिए यह कार्य संस्कृति करती है। अतः मनुष्य को शांत स्वभाव से प्रकृति की समस्त क्रियाविधि में सहायक बनकर खुद को अवसादग्रस्त होने से रोकना होगा।

अब निष्कर्ष में यह प्रश्न अनवरत दिमाग में आ रहा हैं कि नेपोटिज्म को कैसे समाप्त कर सकते हैं?

इसके लिए सर्वप्रथम हरेक उस क्षेत्र, जहां नेपोटिज्म से प्रतिभा का शिकार हो रहा हैं, में एक व्यावहारिक और व्यवस्थित तरीके से परीक्षा का आयोजन कराया जाए,लेकिन यहाँ एक बात और सामने आती हैं कि परीक्षा का परिणाम तो वो पहले ही सुरक्षित कर सकते हैं, तो इसके लिए एक प्रबंध ये करना पड़ेगा कि उनकी परीक्षा नेपोटिज्म के शिकार हुए प्रतिभावान व्यक्तियों के द्वारा ली जाए ताकि वो खुद का संघर्ष याद करते हुए भावी पीढ़ी के भविष्य का ध्यान रख सकें।

राजनीति में तो हर हाल में परीक्षा का होना जरूरी है क्योंकि यहां पर तो देश का सम्पूर्ण वर्तमान और भविष्य विराजमान हैं।

एक अन्य बात जब तक माता-पिता और बच्चे, चाचा-भतीजा और समाज, सभी मिलकर भाई- भतीजावाद को नकारते नहीं हैं और निजी रुचि तथा प्रतिभा को सम्मान नहीं देते हैं तब तक भारत के पेशेवर लोगों के परिदृश्य में बहुत अधिक बदलाव नहीं देखा जा सकेगा और बहुत सारी छिपी हुई प्रतिभा लोगों के सामने नहीं आ पाएँगी। अतः देश की प्रतिभा को आगे लाने के लिए नेपोटिज्म जैसी तुच्छता को नकारना होगा और देश का भविष्य बुद्धिजीवी और प्रतिभावान व्यक्तियों के द्वारा सुरक्षित करना होगा।

ताजमहल का स्वर्णिम इतिहास

आगरा का ताजमहल भारत की शान और प्रेम का प्रतीक चिह्न माना जाता है। उत्तरप्रदेश का तीसरा बड़ा जिला आगरा ऐतिहासिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। मुगलों का सबसे पसंदीदा शहर होने के कारण ही उन्होंने दिल्ली से पहले आगरा को अपनी राजधानी बनाया। इतिहास के अनुसार इब्राहिम लोदी ने इस शहर को सन् 1504 में बसाया था। जिस समय इस शहर की स्थापना की गई, उस समय किसी ने यह कल्पना नहीं की होगी कि यह शहर पूरे विश्व में अपनी खूबसूरती के लिए परचम लहराएगा। जिसे आज भी दुनिया के सात अजूबों में शुमार किया जाता है।

इतिहास–स्थापत्य कला की जीती-जागती तस्वीर आगरा शहर दिल्ली से करीब 200 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जिसे बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था। इसी तरह बुखारा शहर, जो मध्य एशिया में स्थित हैं, वहां से जिस कारीगर को बुलवाया गया वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। विराट कद के गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर बुलाया गया तथा मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया। इस प्रकार ताजमहल के निर्माण से पूर्व छ: महीनों में कुशल कारीगरों को तराश कर उनमें से 37 दक्ष कारीगर इकट्ठे किए गए, जिनके देखरेख में बीस हजार मजदूरों के साथ कार्य किया गया। इसी प्रकार ताज निर्माण में लगाई गई सामग्री संगमरमर पत्थर राजस्थान के मकराणा से, अन्य कई प्रकार के कीमती पत्थर एवं रत्न बगदाद, अफगानिस्तान, तिब्बत, इजिप्त, रूस, ईरान आदि कई देशों से इकट्ठा कर उन्हें भारी कीमतों पर खरीद कर ताजमहल का निर्माण करवाया गया। ई. 1630 में शुरू हुआ इसका निर्माण कार्य करीब 22 वर्षों में पूर्ण हुआ, जिसमें लगभग बीस हजार मजदूरों का योगदान माना जाता है। इसका मुख्य गुंबद 60 फीट ऊंचा और 80 फीट चौड़ा है। मुगल बादशाह की मुहब्बत और शिद्दत का परिणाम ही है, ताजमहल जिसे खूबसूरती का नायाब हीरा कहा जाता है। गुंबदनुमा इस इमारत को जब आप सिर उठाकर ऊपर देखते हैं तो इसकी नक्काशीदार छतें और दीवारें किसी आश्चर्य से कम नहीं लगतीं। इसका यह इतिहास तो बच्चे-बड़े सभी की जुबान पर है कि मुगल बादशाह शाहजहां ने अपनी दूसरी पत्नी मुमताज महल की याद में ताजमहल का निर्माण करवाया था। यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। दूधिया चांदनी में नहा रहे ताजमहल की खूबसूरती को निहारने के बाद आप कितनी भी उपमाएं दें, वह सारी फीकी लगती हैं।

आगरा में ताजमहल के अलावा भी कई चीजें देखने लायक हैं :-

जैसे- 1. आगरा फोर्ट (रेड फोर्ट)। आगरा फोर्ट यहां के महत्वपूर्ण इमारतों में से एक है। इसका निर्माण ई. 1565 में मुगल सम्राट अकबर ने करवाया था। स्थापत्य कला का यह बेजोड़ नमूना लाल पत्थरों से निर्मित हैं। इसमें जहांगीर महल (दीवाने-ए-खास) भी बना है, जो खूबसूरत शीशमहल के रूप में प्रचलित है। 2. फतेहपुर सीकरी। आगरा से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित इस स्थान को अकबर ने अपनी राजधानी बनाया था, जो स्थापत्य की बेजोड़ कलाओं से परिपूर्ण है। 3. मेहताब बाग। यमुना नदी की विपरीत दिशा में ताजमहल के पास ही बना हुआ है मेहताब बाग। कई तरह के फूलों और अनेक पेड़-पौधों से सुसज्जित होने के कारण विदेशी? सैलानियों को काफी लुभाता है। 4. रामबाग। रामबाग को बाबर ने 1528 ई. में बनवाया था। यह ताजमहल के उत्तरी भाग में ढाई किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसे मुगलों द्वारा निर्मित सबसे पुराने बागों में से एक माना जाता है। 5. जामा मस्जिद। शाहजहां की बेटी जहांआरा बेगम की याद में सन् 1648 ई. में बनाई गई थी यह जामा मस्जिद। बड़ी ही खूबसूरती से इसके गुंबद भी तराशे गए हैं। इतने वर्षों बाद भी इसकी खूबसूरती जस-की-तस बनी हुई है। मुमताज महल और शाहजहां की कब्र ताजमहल के निचले हिस्से में आमने-सामने बनी हुई है। आज भी आगरा शहर देशी-विदेशी सैलानियों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। खूबसूरत स्थापत्य कला में निर्मित होने की वजह यहां गर्मी हो या ठंड, हर मौसम में पर्यटकों की भीड़ देखी जा सकती है। पर्यटन विभाग की ओर से प्रतिवर्ष ताज महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

पूजन करते समय भी वास्तु का रखें ध्यान

वास्तुशास्त्र में पूजा के लिए कई आवश्यक सुझाव दिए गए हैं, जिनका पालन कर हम पूजन को और पवित्र और फलदायी बना सकते हैं.

1. ईशान का अर्थ ही होता है ईश्वर का स्थान, पूजा स्थल के लिए सर्वोत्तम स्थान ईशान कोण अर्थात् उत्तर व पूर्व का समागम कोण है. ईशान को ईश-प्रतिमा या वेदी की स्थापना के लिए सर्वश्रेष्ठ माना जाता है. ईशान में पूजा स्थल की स्थापना अगर संभव न हो तो इसे उत्तर या पूर्व दिशा में बनाएं.

2. जिस कक्ष में पूजा-स्थल बना हो, वहां सूर्य की रोशनी एवं ताजा हवा का

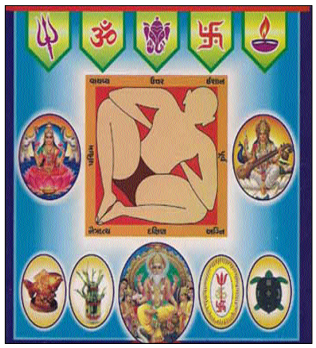

आवागमन अच्छा हो.

3. पूजन कक्ष में चमड़े का सामान, जूता-चप्पल आदि न रखें.

4. वहां मृतकों, पूर्वजों आदि के चित्र न रखें. पूर्वजों के चित्र दक्षिण दिशा की दीवार पर लगा सकते हैं.

5. पूजा-स्थल के निर्माण में एक और त्रुटि जो अधिकांश लोग करते हैं, वह है ईश-प्रतिमा की स्थापना. इस बात को अच्छी तरह याद रखें कि घर में पूजा-स्थल बनाया जा सकता है, मंदिर नहीं. आजकल अधिकांश लोग घर में बड़ी-बड़ी ईश-प्रतिमाओं की स्थापना करने लगे हैं. वास्तु के अनुसार ऐसा नहीं करना चाहिए. अंगूठे के एक पर्व से लेकर एक बलिस्त तक की ईश-प्रतिमा की स्थापना गृहस्थ को पूजा-स्थल में करनी चाहिए.

6. बासी फूल, पत्ते व जल को पूजन में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए.

7. भूमि पर गिरा हुआ फूल, जिसकी पंखुड़ियां टूटी हों, सूंघा हुआ फूल या आग में झुलसा हुआ फूल ईष्ट को अर्पित नहीं करना चाहिए.

8. फल-फूल जैसे उगते हैं, उन्हें वैसे ही चढ़ाना चाहिए. यानी उसे तोड़ना या काटना नहीं चाहिए.

9. पूजन के दौरान ध्वनि का भी विशेष महत्व है. शंख व घंटानाद न सिर्फ देवों को प्रिय हैं, इससे वातावरण शुद्धि भी होती है. वैज्ञानिक रूप से स्वीकार किया जा चुका है कि शंख ध्वनि बैक्टीरिया को नष्ट करती है.

आगरा किला कहते इसे भी लाल किला ही हैं और यह भी विश्व धरोहर की सूची में शामिल है। अकबर ने 1565 में इसे बनवाया। बाद मे शाहजहां ने इसे राजमहल का दर्जा दिया। मोती मसजिद. दीवाने आम, दीवाने खास, जहांगीर महल, खास महल, शीश महल, मुसम्मन बुर्ज– किले के ये सभी हिस्से देखने लायक हैं। यही वो किला है जिसमें 1666 में औरंगजेब ने शिवाजी को कैद कर लिया था और जहां से शिवाजी बाद में भाग निकले थे। किले के बाहर घोड़े पर सवार शिवाजी की एक प्रतिमा भी स्थापित है। फतेहपुर सीकरी अकबर ने आगरा से 35 किलोमीटर दूर फतेहपुर सीकरी में अपनी राजधानी बनाई थी।

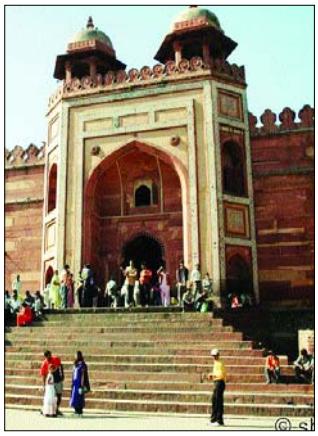

सीकरी में ही बाबर व राणा सांगा की लड़ाई हुई थी। अकबर ने यहां भव्य महल का निर्माण करवाया लेकिन पानी की कमी के चलते उन्हें इस जगह को छोड़कर आगरा किले में जाने को मजबूर होना पड़ा। फतेहपुर सीकरी में ही 1601 में अकबर ने बुलंद दरवाजा बनवाया था। फतेहपुर सीकरी को मुगल स्थापत्य कला के सबसे शानदार नमूनों में से एक माना जाता है। यहीं शेख सलीम चिश्ती का भी मकबरा है जिनके नाम पर अकबर ने जहांगीर का नाम सलीम रखा था। यहीं पर अकबर ने दीन-ए-इलाही की भी नींव रखी थी। महल के भीतर अनूप तालाब, नौबत खाना, पंच महल आदि देखने लायक हैं। इत्माद-उद-दौला जहांगीर की बेगम नूर जहां ने अपने पिता मिर्जा गियास बेग की याद में यह मकबरा बनवाया था। यमुना नदी के किनारे सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा अक्सर बेबी ताज के रूप में भी कहा जाता है। इसकी बनावट की छाप कई जगह ताजमहल में दिख जाती है हालांकि मुगल काल के बाकी मकबरों की तुलना में यह छोटा है। लेकिन खूबसूरती में किसी भी मायने में कमतर नहीं। सिकंदरा आगरा से दिल्ली जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर 13 किलोमीटर दूर सिकंदरा में अकबर का मकबरा है। कहते हैं कि अकबर का मकबरा उनकी शख्सियत को पूरी तरह प्रतिबिंबित करता है। यह भी कहा जाता है कि अकबर ने अपने जीते-जी अपने मकबरे की जगह व उसकी बनावट चुन ली थी। जहांगीर ने पिरामिड की शक्ल के इस मकबरे का निर्माण 1613 में पूरा करवाया। आगरा में मुगल काल के अन्य प्रमुख स्थानों में जामा मसजिद, चीनी का रौजा, आराम बाग (भारत में मुगलों का बनाया सबसे पुराना बाग, जिसे बाबर ने 1528 में बनवाया था), मरियम का मकबरा, मेहताब बाग आदि शामिल हैं। इसके अलावा आगरा व आसपास के इलाके में देखने लायक चीजों में स्वामी बाग समाधि (राधास्वामी पंथ के संस्थापक शिव दयालसिंह सेठ की समाधि), मनकामेश्वर मंदिर (रावतपुरा में शिव का प्राचीन मंदिर) व गुरु का ताल (सिकंदरा के निकट बना तालाब जहां आज गुरुद्वारा है) भी प्रमुख हैं।

विवाह में अड़चन हो तो श्री रूक्मिणी स्वयंवर ग्रंथ से करें उपाय

लड़का-लड़की के विवाह में यदि अड़चन आ रही है, सबसे पहले श्री एकनाथ महाराज द्वारा रचित श्री रूक्मिणी स्वयंवर नामक ग्रंथ बाजार से खरीदकर ले आएं. उसके बाद गणेशजी की मूर्ति के सामने प्रथम दिन संकल्प करें. संकल्प में समय, स्थान, नाम एंव गोत्र आदि के साथ ही पूजन देवता के नाम, पूजन विधि और कामना आदि की चर्चा अवश्य करें.यदि संभव हो तो अपने कुलपुरोहित को निमंत्रित करके उनसे संकल्प करवा लें. पुरोहित न मिलने पर आचमन और प्राणायाम करके हाथ में अक्षत लेकर ऊंची आवाज में संकल्प करें, फिर थाली में अक्षत छोड दें. बाद में चौरंग या पाटे पर एक नारियल अथवा सुपारी रखकर सांगोपांग गणपति पूजन करें.तत्पश्चात नारियल एवं सुपारी पर अक्षत चढाकर गणेश

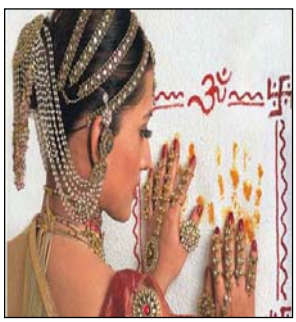

विसर्जन करें. इसके बाद श्री रूक्मणी स्वयंवर गंरथ का वाचन प्रारंभ करें. पहले दिन संकल्प एवं गणेश पूजन करने के बाद प्रतिदिन यह कर्म करना जरूरी नहीं है. एकनाथ कृत श्री रूक्मिणी स्वयंवर का पाठ निम्नानुसार होना चाहिए-प्रथम दिन- अध्याय क्रमांक 7 से 1,2 से 7 द्वितीय दिन- अध्याय क्रमांक 7 से 3,4 से 7 तृतीय दिन- अध्याय क्रमांक 7 से 5,6 से 7 चतुर्थ दिन- अध्याय क्रमांक 7 से 8,8 से 7 पंचम दिन- अध्याय क्रमांक 7-9-10-7 षष्ठ दिन- अध्याय क्रमांक 7-11-12-7 सप्तम दिन- अध्याय क्रमांक 7-13-14-7 अष्टम दिन- अध्याय क्रमांक 7-15-16-7 नवम दिन- अध्याय क्रमांक 7-17-18-7उपर्युक्त पद्धति से नौ दिन पठन करने का एक पारायण होता है. इस तरह के अठारह पारायण होने चाहिए. यदि बीच में शौच या मासिकधर्म आ जाए तो वह समाप्त होने पर बाकी पारायण करें. विवाह निश्चित होने पर प्रतिदिन एक या तीन दिनों के पारायण करें. पारायण काल में सात्विक आहार लें. पारायण पूर्ण होने के बाद भगवान को अभिषेक और दंपति भोजन कराएं. बाद में विवाह निश्चित होने तक व्रत का पारायण करते रहें या सिर्फ 7वां अध्याय पढते रहें. विवाह होने के बाद पारायण करने की कोई आवश्यकता नहीं है. यदि पति-पत्नी में वाद विवाद होकर बात तलाक तक पहुंच जाए तो दंपति में से एक या दोनों उपर्युक्त पारायण करें. इससे उनका पुनर्मिलन अवश्य हो जाएगा. ?से समय संकल्प में साध्य बदल जाएगा. इस अनुष्ठान में पारायण वाचन हमेशा मध्यम स्वर में करें. मन ही मन इसका वाचन न करें.

यूनान की राजधानी एथेंस में एतिहासिक अमोनिया स्कवायर नये रुप में नजर आया। इसमें एक रौशनी वाला फव्वारा भी लगाया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ ईरान ने जारी किया गिरफ्तारी वारंट

तेहरान । ईरान और अमेरिका के बीच तनाव जगजाहिर है। बगदाद में पिछले दिनों ड्रोन हमले के बाद ईरान के शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी। ईरान ने इसी मामले में सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम गिरफ्तारी वॉरंट जारी कर दिया है। इस मामले में उसने 30 से अधिक लोगों के खिलाफ वारंट जारी किया है। उसने इंटरपोल से ट्रंप को पकडऩे में मदद भी मांगी है। तेहरान के प्रॉसिक्यूटर अली अलकसिमेर ने इसकी पुष्टि की है। अलकसिमेर ने कहा कि ईरान का ट्रंप और 30 से ज्यादा दूसरे लोगों पर सुलेमानी की हत्या और आतंकवाद का आरोप लगाया गया है। ट्रंप के राष्ट्रपति

पद का कार्यकाल खत्म होने के बाद भी उन्हें सजा दिलाने की कोशिश का दावा किया गया है। फिलहाल ट्रंप के अलावा बाकी लोगों में से किसी की पहचान नहीं जाहिर की है। अलकसिमेर ने कहा कि ईरान ने इंटरपोल से उच्चस्तरीय रेड नोटिस जारी करने की अपील की है, ताकि इन लोगों की लोकेशन पता करके गिरफ्तारी की जा सके।

भारत और अमरिका को एक-दूसरे का स्वाभाविक सहयोगी : भारतीय राजदूत

वाशिंगटन । भारत और अमरिका को एक-दूसरे का स्वाभाविक सहयोगी बताकर भारत के राजदूत ने कहा कि विकास के बारे में भारत की ठोस परिकल्पना को वास्तविकता में बदलने के लिए भारत की अमेरिका के साथ भागीदारी काफी अहम है। भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधु ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और अमेरिका आपस में कानून के शासन के तहत लोकतंत्र, स्वतंत्रता और अवसरों की समानता जैसे साझा मूल्यों से बंधे हैं। उन्होंने कहा, दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने लोकतंत्र के तौर पर हम-एक दूसरे के स्वाभाविक सहयोगी हैं। संधु ने कहा, विकास के हमारे ठोस विजन को वास्तविकता में बदलने के लिए अमेरिका के साथ हमारी भागीदारी काफी अहम है। उन्होंने कहा कि भारत और अमरिका के बीच आर्थिक, रणनीतिक और लोगों के स्तर पर आपस में बेहतर भागीदारी है। अमेरिका की सभी फार्चयून - 500 कंपनियां भारत में निवेश करने वाली 2,000 अमेरिकी कंपनियों में शामिल हैं। वहीं दूसरी तरफ 200 से अधिक भारतीय कंपनियों ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 22 अरब डालर से अधिक का निवेश किया है। भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में सवा लाख से अधिक रोजगार पैदा किए हैं। संधु ने 40 लाख के करीब भारतीय-अमेरिकी समुदाय द्वारा निभाई गई भूमिका का भी उल्लेख किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा दो लाख के करीब भारतीय छात्र और अमेरिका में काम करने वाले अन्य पेशेवर भी दोनों देशों के बीच अहम भूमिका निभा रहे हैं।

गूगल ने हटाए अमेरिकी चुनाव से संबंधित भ्रामक विज्ञापन

वाशिंगटन। गूगल ने अमेरिका में नवम्बर में होने वाले राष्टपति चुनाव को लेकर गलत जानकारी देने वाले भ्रामक विज्ञापनों को अपने मंच से हटा दिया है। इन विज्ञापनों में से कुछ ने मतदान के लिए पंजीकरण करने के लिए लोगों से शुल्क लिया। वहीं, कुछ ने विपणन संबंधी लक्ष्य पूरा करने के लिए लोगों की निजी जानकारियां हासिल की। गैर-लाभकारी टेक कम्पनी टेक ट्रांसपरेंसी प्रोजेक्ट ने इन विज्ञापनों की पहचान की है। संगठन ने पाया कि मतदान के लिए पंजीकरण, मेल द्वारा मतदान और मेरा मतदान स्थल कहां हैं जैसे विज्ञापन लिंक उन वेबसाइट द्वारा निर्मित किए गए हैं, जो मतदान पंजीकरण के लिए शुल्क ले रहे हैं ।वे लोगों से उनकी निजी जानकारियां हासिल कर रहें हैं या लोगों के ब्राउजर में अवांछित सॉफ्टवेयर डाल रहे हैं। गूगल ने कहा उसके मंच पर ऐसे विज्ञापनों को प्रतिबंधित कर दिया गया है। गूगल की प्रवक्ता शैर्लोट सिम्थ ने कहा हम अपने मंच पर ग्राहकों को ऐसे अनुचित व्यवहार से बचाने को प्रतिबद्ध हैं।

अफगानिस्तान में कार बम धमाका, 23 लोगों की मौत

काबुल । अफगानिस्तान के एक व्यस्त बाजार में कार बम धमाके में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए है। घटना सोमवार सुबह हुआ, जब बाजार में काफी बच्चे और अन्य लोग मौजूद थे। अभी तक इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है। प्रांतीय गवर्नर के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, संगिन जिले में एक कार बम

विस्फोट और मोर्टार हमले में बच्चों सहित 23 लोगों की मौत हो गई। तालिबान और अफगान सेना ने इस धमाके के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया है। अफगान सेना का कहना है कि विद्रोहियों ने नागरिकों को निशाना बनाकर मोर्टार के गोले दागे और एक कार बम विस्फोट किया। तालिबान ने अफगान सेना के दावे को खारिज किया है। तालिबान ने आरोप लगाया कि सैनिकों ने ही बाजार में मोर्टार दागे है। उल्लेखनीय है कि आए दिन अफगानिस्तान में धमाके होते रहते हैं। हालांकि, इस बार धमाके में मौतों का आंकड़ा कुछ बढ़ा हुआ है।

पाक की चाल, पीओके में बना रहा सैन्य एयरबेस, सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ खुलासा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के आंतरिक हालात भले ही बेहद खराब हो पर वह भारत के खिलाफ अपनी युद्धक तैयारियों को मजबूती देने के लिए पीओके स्कार्दू में एक नया एयरबेस बना रहा है। इस एयरबेस का इस्तेमाल पाकिस्तानी एयरफोर्स भारत के खिलाफ कर सकती है। हालांकि पाक की हर एक चाल पर भारतीय खुफिया एजेंसिया कड़ी

नजर बनाए हुए हैं। हाल में ही ली गई सैटेलाइट तस्वीरों से पाकिस्तान के इन नापाक मंसूबों का खुलासा हुआ है। इस तस्वीरों को ओपन सोर्स इंटेलिजेंस एनॉलिस्ट डिटरसफा ने जारी किया है। ज्ञात हो कि हंदवाड़ा मुठभेड़ के बाद से ही पाकिस्तानी एयरफोर्स ने एलओसी के पास अपने एफ-16 और जेएफ-17 लड़ाकू विमानों को तैनात कर दिया था। पाकिस्तान को डर है कि भारतीय सेना एलओसी पार कर नए सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दे सकती है। इसी के डर से उसने सीमा पर हवाई गश्त को भी तेज कर दिया है। रणनीतिक रूप से पीओके के स्कार्दू में स्थित पाकिस्तानी वायुसेना के इस एयरपोर्ट का बड़ा महत्व है। यहां से श्रीनगर और लेह की दूरी मात्र 200 किलोमीटर है। यहां से उड़ान भरने के बाद पाकिस्तानी लड़ाकू विमान मुश्किल से 5 मिनट में भारतीय वायुसीमा में प्रवेश कर सकते हैं। हालांकि सीमा पर तैनात भारतीय एयर डिफेंस को वे भेद नहीं सकते। स्कार्दू के इस नए एयरपोर्ट पर अंडरग्राउंड फ्यूल स्टेशन और हथियार डिपो का भी निर्माण किया गया है। पाकिस्तान यहां से चीन-पाक इकोनॉमिक कॉरिडोर की भी निगरानी करना चाहता है। मालूम हो कि स्कार्दू में पाकिस्तान का सिविल एयरपोर्ट पहले से ही मौजूद है। यह भी आशंका जताई जा रही है कि सीपीईसी की सुरक्षा के लिए पीओके में स्थित इस एयरबेस का इस्तेमाल चीनी वायुसेना भी कर सकती है। इससे भारत की सुरक्षा संबंधी चिंता भी बढ़ेगी।

कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए गैब्रियल लोपेज और डेलाह सैंटोस की तस्वीर और वीडियो बनाते हुए फिलिप माइकल व हुगो हुईट्रॉन।

साल खत्म होते तक 200 करोड़ लोग हो जाएंगे गरीब

न्यूयार्क। कोरोना वायरस के बीच जारी एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में करीब 200 करोड़ लोगों पर गरीबी का खतरा मंडरा रहा है। वायरस का सबसे ज्यादा असर कमजोर कम्युनिटी पर पड़ा है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक 1998 के बाद पहली बार गरीबी दर बढ़ सकती है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र ने अनुमान लगाया है कि महामारी के कारण इस साल के अंत तक दुनियाभर में 50 करोड़ लोग और गरीब हो सकते हैं। ऐसे में दुनिया की 8 फीसदी आबादी गरीब हो सकती है। इस महामारी का सबसे बुरा प्रभाव विकासशील देशों पर पड़ा है। वर्ल्ड बैंक के अनुमान के मुताबिक सब-सहारा अफ्रीकन देश 25 साल में पहली मंदी से गुजरेंगे। वहीं, दक्षिण एशियाई देश 40 साल में सबसे खराब आर्थिक प्रदर्शन करेंगे। सबसे ज्यादा खतरे में इनफॉर्मल सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारी हैं। करीब 200 करोड़ लोगों के पास हेल्थ केयर, बेरोजगारी सहायता जैसी कोई सुविधा नहीं है।

कोरोना संक्रमण का सबसे बुरा दौर आना अभी बाकी : गिब्रयेसॉस

जेनेवा । दुनियाभर में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि अभी इस महामारी का सबसे बुरा दौर आना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के चीफ टेड्रोस एडहनॉम गिब्रयेसॉस ने कहा है कि अगर दुनियाभर की सरकारों ने सही नीतियों का पालन नहीं किया तो यह वायरस और लोगों को संक्रमित कर सकता है। कुछ दिन पहले ही डब्लूएचओ प्रमुख ने दुनिया भर के नेताओं को राजनीति नहीं करने की चेतावनी दी थी। एक वर्चुअल बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि हम सभी चाहते हैं कि कोरोना वायरस जल्द से जल्द खत्म हो जाए। हम सभी अपनी आम दिनों की जिंदगियों में वापस लौटना चाहते हैं, लेकिन कड़वा सच यह है कि हम अभी

भी इस महामारी के खत्म होने से दूर हैं। उन्होंने यह चेतावनी देते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर महामारी फैलने की रफ्तार तेज हो रही है। उन्होंने कहा कि राष्टीय एकता में कमी, वैश्विक एकजुटता में कमी, और बंटी हुई दुनिया कोरोना वायरस की रफ्तार को बढ़ा रही है। अगर इसे रोका नहीं गया तो अभी सबसे बुरा दौर आना बाकी है। उन्होंने जर्मनी, दक्षिण कोरिया, और जापान के सरकारों के काम की तारीफ भी की और दूसरे देशों से भी इनके रास्ते पर चलने का आग्रह किया। डब्ल्यूएचओ ने पहले कहा था कि सबसे बड़ा खतरा जिसका हम सामना कर रहे हैं, वह वायरस खुद नहीं है बल्कि वैश्विक एकजुटता और वैश्विक नेतृत्व की कमी है। हम खंडित विश्व के साथ इस महामारी को नहीं हरा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने डब्ल्यूएचओ की, महामारी के शुरुआत में कथित तौर पर उचित कदम नहीं उठाने के लिए आलोचना की थी और उनका मानना है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन, चीन की अधिक प्रशंसा करता है।

पूर्व कोच का खुलासा, द्रविड़ ने ही सचिन और गांगुली को 2007 टी20 विश्व खेलने से रोका

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच लालचंद राजपूत ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रहे राहुल द्रविड़ ने ही 2007 टी20 विश्वकप में सचिन तेंडुलकर और सौरभ गांगुली को खेलने से रोका था। इस पहले टी20 विश्व कप में टीम के मैनेजर रहे राजपूत ने कहा कि द्रविड़ का मानना था की इस नए प्रारूप में युवा खिलाड़ियों को अवसर मिलना चाहिए जिससे वे नए कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में बेखौफ होकर खेल सकें। भारत ने इस विश्वकप में शानदार जीत दर्ज की थी। राहुल ने तब तब अनुभवी खिलाड़ियों ने कहा था कि इस टूर्नामेंट के लिए युवाओं को मौका दिया जाना चाहिए। राजपूत ने कहा कि इससे लाभ ये हुआ की पहली बार महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी देखने को मिल। सभी ने देखा कि वह कैसे अहम अवसरों पर शांत रहते थे और कठिन मौकों पर सही फैसले लेते थे। राजपूत ने भी एक कप्तान के रूप में धोनी को आगे बढ़ते हुए देखा। राजपूत ने कहा कि उन्हें शुरू से ही इस बात पर भरोसा था कि धोनी भारत के सबसे सफल कप्तान बन सकते हैं। इसका कारण यह रहा कि धोनी बहुत बहुत शांत रहते थे। वह विपक्षी टीम से दो कदम आगे की सोचते थे। एक प्रकार से देखा जाये तो उनमें सौरभ गांगुली और राहुल द्रविड़ दोनो की खूबियां थीं। गांगुली खिलाड़ियों को भरोसा देते थे। वह ऐसे कप्तान थे जिन्होंने भारतीय क्रिकेट की मानसिकता को बदला। मुझे लगता है कि यह परंपरा को धोनी ने आगे बढ़ाया।

ओझा को सचिन का विकेट लेने पर मिली थी घड़ी

नई दिल्ली । स्पिनर प्रज्ञान ओझा ने कहा है कि उन्हें महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का विकेट लेने पर विशेष उपहार के तौर पर एक घड़ी मिली थी। प्रज्ञान साल 2009 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम डेक्कन चार्जर्स में शामिल थे। इस दौरान टीम के एक सहमालिक ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से पहले उनसे सचिन को आउट करने पर उपहार देने की बात कही। प्रज्ञान ने कहा, ‘यह दक्षिण अफ्रीका में खेले गए आईपीएल का वाकया है। डरबन में हमारा मैच मुंबई इंडियंस से था। मैच से पहले टीम के एक सहमालिक मेरे पास आए। वह मुझे बचपन से जानते हैं। उस समय मैं अच्छी गेंदबाजी कर रहा था, उसी को देखते हुए उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैं सचिन का विकेट लेता हूं तो वह मुझे एक विशेष उपहार देंगे। ओझा ने बताया, ‘तब मैंने उनसे कहा कि अगर मैंने सचिन पाजी का विकेट लिया तो मुझे एक घड़ी चाहिए। वह जानते थे कि मैं घड़ी का शौकीन हूं। अगले दिन ऐसा हो भी गया। मुझे सचिन पाजी का विकेट मिला। टीम मालिक ने अपना वादा निभाया और मुझे घड़ी उपहार में दी। इस मैच में प्रज्ञान ने शानदार प्रदर्शन कर डेक्कन चार्जर्स को 12 रन की जीत भी दिलाई थी। वह मुंबई इंडियंस टीम में लंबे समय तक सचिन के साथ ड्रेसिंग रूम का हिस्सा रहे हैं।

अगस्त तक नहीं शुरु होगा टीम इंडिया का अभ्यास सत्र : गांगुली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि अगस्त से पहले भारतीय टीम का अभ्यास सत्र शुरु नहीं हो सकता है। कोरोना वायरस महामारी के कारण हुए लॉकडाउन को देखते हुए भारतीय टीम ने मार्च से ही क्रिकेट नहीं खेला है। वहीं प्रशंसक बेसब्री से मुकाबले शुरु होने का इंतजार कर रहे हैं पर लगता है कि बीसीसआई और खिलाड़ियों को अभी मैदान पर लौटने की जल्दी नहीं है। गांगुली ने है कि खिलाड़ियों के लिए शिविर की शुरुआत अगस्त से पहले होने की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि अगस्त के बाद ही ऐसा किया जा सकता है। गांगुली ने कहा अगस्त से पहले टीम इंडिया का कैम्प शुरू होने की कोई उम्मीद नहीं है हालांकि टीम इंडिया के कुछ खिलाड़ी सरकार द्वारा स्टेडियम खोले जाने की अनुमति मिलने के निजी तौर पर अभ्यास करते हुए नजर आये हैं। इसके तहत कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी और चेतेश्वर पुजारा मैदान पर अभ्यास करते दिखाई दिए थे।

भारतीय क्रिकेट टीम का कार्यक्रम भी कोरोना वायरस महामारी के कारण प्रभावित हुआ है। बोर्ड ने इस वैश्विक महामारी के कारण कई सीरीज स्थगित कर दी हैं। सबसे पहले मार्च में दक्षिण अफ्रीका की टीम सीरीज खेले बिना ही स्वदेश लौट गई थी। इसके बाद इस साल के आईपीएल को भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। जून में भारतीय टीम को श्रीलंका जबकि अगस्त में जिम्बाब्वे के साथ सीरीज खेलनी थी पर फिलहाल सभी को टाल दिया गया है। आईपीएल को लेकर हालांकि बोर्ड ने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। बोर्ड की नजर सितंबर-नवंबर की विंडो पर है। इस साल सितंबर में एशिया कप और अक्टूबर-नवंबर में टी20 विश्व कप का कार्यक्रम है पर अगर ये नहीं हो पाते हैं तब बीसीसीआई आईपीएल के आयोजन का प्रयास कर सकता है।

दीपिका, अतनु के विवाह समारोह में मेहमानों को करना होगा नियमों का पालन

कोलकाता । तीरंदाज दीपिका कुमारी और अतनु दास की शादी मंगलवार को रांची के मोराबादी में शादी के बंधन में बंधेंगे। दोनो ने ही इस शादी के दौरान आने वाले मेहमानों से कोविड-19 महामारी से जुड़े सरकार के निर्देशों को पालन करने को कहा है। शादी के दौरान मास्क, सैनिटाइजर के साथ ही सामाजिक दूरी का भी पालन करने के इंतजाम किये गये हैं। शादी के कार्ड में भी सरकार के निर्देशों को पालन करने की अपील की गयी है। दीपिका ने कहा, ‘‘ मेहमानों के आने पर मास्क, सैनिटाइजर दिए जाएंगे। हमने विस्तृत व्यवस्था की है, सामाजिक दूरी का पालने करने के लिए एक बड़ा बैंक्वेट हॉल बुक किया है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘हम किसी भी चीज को छूएंगे नहीं। हम अपने को और दूसरों को सुरक्षित रखना चाहते है।’’ दीपिका ने कहा कि सिर्फ 60 निमंत्रण कार्ड छपे है और मेहमानों को रिसेप्शन में शामिल होने के लिए शाम को दो अलग-अलग समय दिये गये हैं। इस दौरान परिवार के सदस्य घर पर ही रहेंगे। उन्होंने कहा, ‘‘ हमने मेहमानों के लिए दो अलग-अलग समय तय किये हैं। पहले बैच के 50 लोग शाम 5.30 बजे से सात बजे तक आयेंगे और बाकी के 50 मेहमान इसके बाद आयेंगे।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए समय बढ़ाये आईसीसी : बीसीबी

ढाका । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का समय बढ़ाने की मांग की है। बीसीबी ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण हाल में कई टेस्ट मैच रद्द हुए हैं और अब इनके खेले जाने की फिलहाल कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। बीसीबी के अनुसार कोरोना महामारी से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम बुरी तरह प्रभावित हुआ है और उनकी टेस्ट आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के आठ मैच नहीं खेल पायी है। इन आठ टेस्ट मैचों में अप्रैल में पाकिस्तान में होने वाला एक टेस्ट, आस्ट्रेलिया के खिलाफ जून में दो मैचों की श्रृंखला, न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट की श्रृंखला और श्रीलंका के खिलाफ तीन टेस्ट की श्रृंखला शामिल थे। बीसीबी के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष अकरम खान ने कहा, ‘‘जब तक मौजूदा आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के समय को बढ़ाया नहीं जाता तब तक निर्धारित समय में आठ टेस्ट मैच खेल पाने का कोई तरीका नहीं है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘हम देखना चाहते हैं कि आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के साथ क्या करता है क्योंकि जब तक इसमें बदलाव नहीं होता तब तक रद्द हो चुके आठ टेस्ट मैचों को खेलने की संभावना नहीं के बराबर है।’’ डब्ल्यूटीसी में 12 टेस्ट खेलने वाले देशों में से नौ दो साल के दौरान आपस में खेलते हैं। सभी देशों को छह टेस्ट श्रृंखलाएं खेलनी हैं जिसमें तीन स्वदेश में और तीन विदेश में खेलनी होंगी हालांकि सभी टीमें समान संख्या टेस्ट नहीं खेलेंगी।प्रत्येक टीम प्रत्येक श्रृंखला से अधिकतम 120 अंक बटोर सकती है और लीग चरण खत्म होने के बाद अधिकतम अंक हासिल करने वाली दो टीमें अगले साल जून में फाइनल में हिस्सा लेंगी। जुलाई 2019 और 31 मार्च 2021 के बीच 72 टेस्ट खेले जाने की संभावना है। बीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निजामुद्दीन चौधरी ने भी कहा कि अगर आईसीसी टेस्ट फाइनल अगले साल पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होता है तो रद्द टेस्ट खेलने की संभावना बेहद कम है।

वैश्विक बाजार में सपाट कारोबार के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार की नई दरें आ गई

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले दिन डॉलर के मुकाबले रुपये में तेजी और वैश्विक बाजार में सपाट कारोबार के बीच सोमवार को दिल्ली सर्राफा बाजार की नई दरें आ गई है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। वहीं, चांदी में सपाट कारोबार देखने को मिला। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में ज्यादा कुछ हलचल नहीं देखने को मिला। जानकारी के मुताबिक दिल्ली सर्राफा बाजार में गोल्ड का नया भाव 26 रुपये प्रति 10 ग्राम घटकर 49,245 रुपये के स्तर पर आ गया है। इसके पहले शुक्रवार को दिनभर के कारोबार के बाद सोने का भाव 49,271 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, सोमवार को चांदी का कारोबार सपाट रहा। चांदी का भाव 49,461 रुपये प्रति किलोग्राम ही रहा। इसके पहले शुक्रवार को दिनभर के कारोबार के बाद चांदी का भाव 49,465 रुपये प्रति किलोग्राम रहा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में दोनों कीमती धातुओं की बात करें,तब सोमवार को यहां भी सपाट कारोबार देखने को मिला। यहां गोल्ड का नया भाव 1,769.67 डॉलर प्रति आउंस रहा। वहीं, चांदी का भाव भी 17.81 डॉलर प्रति आउंस रहा। जानकार का कहना कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सपाट कारोबार देखने को मिला, जिसका असर दिल्ली सर्राफा बाजार में भी देखने को मिला है। वहीं, दूसरी ओर सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपये में 7 पैसे की मजबूती देखने को मिली, जिसके बाद यह 75.58 के स्तर पर बंद हुआ।

कोरोना संकट के बीच सोने-चांदी के प्रति बढ़ा निवेशकों का झुकाव, दोनो धातुओं में तेजी का रुख

नई दिल्ली । कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए सोने ने एक बार फिर निवेशकों को अपनी ओर खींच लिया है। सोमवार को सोने-चांदी की कीमतें में शुरुआती कारोबार में बढ़ोतरी देखने को मिली। एमसीएक्स पर सोना करीब 0.24 फीसदी बढ़कर 48,305 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर जा पहुंचा, जबकि चांदी की कीमत में भी 0.52 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जिसके बाद ये कीमत 49,494 रुपए प्रति किलो हो गई। निवेशकों को डर है कि अभी कोरोना पर पता नहीं कब तक काबू पाया जा सकेगा, इसलिए निवेशकों ने सोने में निवेश करना शुरू कर दिया है। पिछले हफ्ते शुक्रवार को दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोना 239 रुपये की तेजी के साथ 49,058 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं चांदी 845 रुपए की तेजी के साथ 49,300 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। हाजिर बाजार में कमजोर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की थी, जिससे वायदा कारोबार में शुक्रवार को सोना 0.111 प्रतिशत गिरकर 47,889 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त डिलिवरी सौदों में सोना वायदा भाव 52 रुपये यानी 0.11 प्रतिशत टूटकर 47,889 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया जिसमें 13,791 लॉट का कारोबार हुआ। इसी तरह सोने के अक्टूबर माह में डिलिवरी वाले अनुबंध की कीमत 36 रुपए यानी 0.07 प्रतिशत टूटकर 48,070 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया जिसमें 5,812 लॉट के लिए कारोबार हुआ। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना भाव 0.02 प्रतिशत बढ़कर 1,770.90 डॉलर प्रति औंस रहा।

पार्किंग की बजाय अवैध रूप से व्यवसायिक उपयोग में लाए जा रहे तलघर तोड़े जायेंगे

कलेक्टर ने शहर के यातायात सुधार को लेकर बुलाई गई बैठक में दिए निर्देश

ग्वालियर। शहर के विभिन्न बाजारों की दुकानों में बने तलघरों (बेसमेंट) में पार्किंग की बजाय अन्य गतिविधियाँ संचालित न होने दी जाएं। इस संबंध में तलघर मालिकों को नोटिस देकर स्पष्ट रूप से बता दें कि यदि उन्होंने तलघरों का उपयोग पार्किंग की बजाय अवैध रूप से व्यवसायिक गतिविधियों में किया तो तलघर तोड़ने की कार्रवाई की जायेगी। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने उच्च न्यायालय द्वारा शहर की यातायात व्यवस्था के सुधार के संबंध में दिए गए आदेशों के पालन के सिलसिले में बुलाई गई बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने पार्किंग की बजाय अवैध रूप से व्यवसायिक गतिविधियों में उपयोग में लाए जा रहे तलघरों को तोड़ने व सील्ड करने के लिये नगर निगम, पुलिस एवं जिला प्रशासन की संयुक्त टीम गठित करने के निर्देश अपर जिला दण्डाधिकारियों को दिए हैं। इस टीम द्वारा ऐसे तलघरों को तोड़ने की कार्रवाई की जायेगी, जिनके मालिक तलघरों में कॉमर्शियल उपयोग बंद कर पार्किंग शुरू करने के संबंध में शपथ पत्र नहीं देंगे। अर्थात पार्किंग शुरू नहीं करायेंगे। बैठक में बताया गया कि ग्वालियर शहर में 426 तलघर यातायात पुलिस व नगर निगम द्वारा चिन्हित किए गए हैं। शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार से संबंधित कामों को जल्द से जल्द पूर्ण करने पर कलेक्टर ने विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि नगर निगम सहित सभी कार्य एजेन्सी हफ्ते भर का लक्ष्य निर्धारित कर इन कामों को पूर्ण कराएं। श्री सिंह ने कहा कि संबंधित एजेन्सी को हर दिन कार्यों की प्रगति रिपोर्ट देनी होगी। उन्होंने मोतीमहल के समीप हाल ही में चिन्हित की गई

सड़क निर्माण के लिये टेण्डर में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। साथ ही नगर निगम के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए कि इसी हफ्ते में टेण्डर की कार्रवाई पूर्ण कर सड़क का काम शुरू कराएं। कलेक्टर ने झांसी रोड़ पर वीडियो कोच बस स्टैण्ड पर शेष काम शुक्रवार तक पूर्ण करने के निर्देश भी बैठक में दिए। साथ ही कहा कि बस स्टेण्ड पर रोशनी के लिये हैलोजन लाइट भी लगवाई जाएं। शहर के सड़क मार्गों पर यातायात सुचारू करने के लिये पेंट की पट्टियां डालने एवं सिंधिया कन्या विद्यालय एवं शिंदे की छावनी पर शान-शौकत दुकान के समीप सीमेंट के ब्लॉक लगाने की हिदायत भी उन्होंने दी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा, एडीएम श्री आशीष तिवारी व श्री किशोर कन्याल, स्मार्ट सिटी की सीईओ श्रीमती जयति सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पाण्डेय, संयुक्त संचालक नगर एवं ग्राम निवेश श्री बी के शर्मा, शहर के उप पुलिस अधीक्षक यातायात तथा नगर निगम, लोक निर्माण व अन्य संबंधित कार्य एजेन्सियों से जुड़े अधिकारी मौजूद थे।

हॉकर्स जोन में शिफ्ट होंगे बाड़े के पथ व्यवसायी

महाराज बाड़ा सहित उससे जुड़े अन्य बाजारों में फुटपाथ पर कारोबार करने वाले छोटे-छोटे व्यवसायी (स्ट्रीट वेंडर) हॉकर्स जोन में शिफ्ट किए जायेंगे। मंगलवार को हुई बैठक में कलेक्टर ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाड़े के फुटपाथी कारोबारियों को शिफ्ट करने का काम जल्द से जल्द पूरा करें। बैठक में मौजूद स्ट्रीट वेंडर प्रतिनिधियों ने भी हॉकर्स जोन में जाने पर सहमति जताई। बैठक में बताया गया कि बाड़े के फुटपाथों पर कारोबार करने वाले 325 से अधिक स्ट्रीट वेंडर चिन्हित किए गए हैं। जिन्हें शिफ्ट करने के लिये कम्पू, एसएएफ पेट्रोल पंप के समीप एवं गोल पहाड़िया पर स्थित हॉकर्स जोन में पर्याप्त जगह उपलब्ध है। कलेक्टर ने स्ट्रीट वेंडर द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची एवं नगर निगम द्वारा तैयार की गई वेंडर की सूची का मिलान करने के निर्देश भी दिए। साथ ही कहा कि कोई भी पात्र स्ट्रीट वेंडर छूटना नहीं चाहिए।

टिड्डी दलों के प्रकोप से बचाव हेतु किसान भाई करें उपाय

ग्वालियर। मंगलवार को टिड्डी दल सायं 4 बजे तक आर्मी केंट मुरार, केदारपुर, पुरासानी, दौरार होते हुए मोहना से जंगल क्षेत्रों में जाने की सूचना मिली थी। जबकि एक छोटा टिड्डी दल ग्राम किठोंदा, गड़ाजर होते हुए सिंध नदी के किनारे जाने की सूचना प्राप्त हुई है। टिड्डी दल के मूवमेंट पर प्रशासन पूर्ण निगरानी रखे हुए है। टिड्डी दलों से निपटने हेतु जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा संयुक्त रूप से पूर्ण तैयारी कर रखी हैं। फायरब्रिगेड, ट्रेक्टर चलित पावर स्प्रे एवं कीटनाशक दवाईयों की व्यवस्था के साथ निगरानी भी की जा रही है और कृषकों को जागरूक कर सचेत किया गया है। किसानों के सहयोग से भी सोमवार को जिले के ठाठीपुर मेला ग्राउण्ड, दीनदयालनगर से होते हुए ट्डिडी दल रायरू क्षेत्र से मुरैना की ओर चला गया था। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक डॉ. आनंद बड़ोनिया ने बताया कि किसान भाई जिले में टिड्डी दल के प्रकोप से बचाव के लिये रासायनिक नियंत्रण हेतु कीटनाशी दवायें, क्लोरोपायरीफॉस 20 प्रतिशत ईसी मात्रा 1200 मिली. 500 लीटर पानी का घोल, क्लोरोपायरीफॉस 50 प्रतिशत ईसी मात्रा 500 मिली. 500 लीटर पानी में, लेमडासायलोथ्रिन 5 प्रतिशत ईसी मात्रा 400 मिली. 500 लीटर पानी में, मेलाथियोन 50 प्रतिशत ईसी मात्रा 1800 मिली. 500 लीटर पानी में एवं डेल्टामेथ्रिन 2.8 प्रतिशत मात्रा 500 मिली. 500 लीटर पानी का घोल बनाकर टिड्डी दल पर छिड़काव कर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसी प्रकार टिड्डी दल को भगाने के लिये ढोल, डीजे, थाली बजाना भी प्रभावी है। संभावित टिड्डी दल के प्रकोप को देखते हुए जिले में जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल का गठन किया है, जिसमें कृषि, उद्यानिकी, राजस्व, वन विभाग के अधिकारी तथा कृषि वैज्ञानिकों को शामिल किया गया है। जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित कर श्री एल एस यादव सहायक संचालक कृषि को टिड्डी दल के नियंत्रण हेतु नोडल अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। किसान भाई मोबाइल नम्बर 9425467000 एवं कार्यालयीन दूरभाष क्रमांक 0751-2467920 पर टिड्डी दल की रोकथाम के उपाय के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा टिड्डी दल आक्रमण की सूचना प्रदान कर सकते हैं।

ज्वेलरी शॉप में हुई दिनदहाड़े लूट की वारदात का पुलिस ने किया पर्दाफाश

भतीजा ही निकला लूट का मास्टरमाइंड

ये पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हुई थी,

ग्वालियर। शहर के महाराजपुरा थाना क्षेत्र के आदित्यपुरम रोड पर स्थित एक ज्वेलरी शॉप में हुई दिनदहाड़े लूट की वारदात का पुलिस ने पर्दाफाश किया है. इस मामले में दुकानदार का भतीजा ही मुख्य मास्टरमाइंड निकला है । पुलिस के अनुसार गर्लफ्रेंड को खुश करने और उसके महंगे शौक को पूरा करने के लिए अपने दो साथियों की मदद से ज्वेलर्स के भतीजे ने इस वारदात को अंजाम दिया था । दरअसल पुलिस चौकी के पास स्थित तिरुपति ज्वेलरी शॉप में 27 जून को लूट की वारदात सामने आई थी । जिसमें दो युवक मुंह बांध कर दुकान में घुसे थे और अंगूठी देखने के बाद बदमाशों में से एक ने आधा शटर डाउन कर दिया । बाद में उन्होंने कट्टे की नोक पर दुकान पर बैठे सागर सोनी को अपने कब्जे में ले लिया और करीब साढे 6 किलो चांदी और अन्य गहने लूट लिए । ये पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हुई थी, लेकिन पुलिस को फरियादी सागर सोनी का आचरण संदेहास्पद लगा था । इसी आधार पर जब उससे पूछताछ की गई तो उसने स्वीकार किया कि उसने अपने मित्र रानू पंडित और उसके सहयोगी की मदद से इस वारदात को अंजाम दिया था । पुलिस ने तीनों आरोपियों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है और पूरा माल जब्त कर लिया है ।सागर सोनी ने बताया कि उसकी एक गर्लफ्रेंड है । जिसके महंगे शौक को पूरा करने के लिए उसने चोरी की वारदात को अपने साथियों की मदद से अंजाम दिया था. पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश और लूट का मामला दर्ज कर लिया है. मामले में सागर के दोनों साथियों को भिंड के मालूम पुर इलाके से गिरफ्तार किया गया ।

ग्वालियर में बनेगा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से युक्त खेल परिसर, 10 करोड़ की राशि मंजूर

पूर्व मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जताया मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद के प्रति आभार

ग्वालियर। ग्वालियर एवं चंबल अंचल के खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की उच्च स्तरीय खेल सुविधायें एवं प्रतिभावान खिलाड़ियों को उचित प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिए ग्वालियर में खेल परिसर का निर्माण होगा। सरकार ने इसके लिये 10 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत कर दी है। यह खेल परिसर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, केन्दीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर, ग्वालियर सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर एवं पूर्व मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के विशेष प्रयासों से मंजूर हुआ है। जिला खेल परिसर का निर्माण आईआईआईटीएम के सामने 50 एकड़ भूमि में होगा। इसके लिये 10 करोड़ रूपये की वित्तीय व प्रशासनिक स्वीकृति मिली है। जल्द ही ग्वालियर के युवाओं के लिए भव्य खेल परिसर बनकर तैयार होगा । खेल परिसर की मंजूरी से ग्वालियर के सभी खेल संगठनों एवं खिलाड़ियों में हर्ष का माहौल है। पूर्व मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सहित खिलाड़ियों एवं खेल संगठनों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चौहान, भारत सरकार के मंत्री श्री तोमर एवं ग्वालियर सांसद श्री शेजवलकर के प्रति आभार व्यक्त किया है।

शिल्पा डोगरा बनी राष्ट्रीय संयुक्त अधिवक्ता मंच की प्रदेश अध्यक्ष

ग्वालियर। राष्ट्रीय संयुक्त अधिवक्ता मंच भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता शिव सेवक गुप्ता जय सिंह ने उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर मध्यप्रदेश निवार्चित कार्यकरणी पूर्व सदस्य शिल्पा डोगरा जी को मध्यप्रदेश का युवा प्रकोष्ट के प्रदेश अध्यक्ष धीरेंद्र कुमार मालवीय की संस्तुति पर मध्यप्रदेश प्रदेश युवा महिला प्रकोष्ट के पद पर मनोनीत किया गया है

भार्गव समाज ने कोरोना योद्धा पत्रकार व शिक्षकों का किया सम्मान

ग्वालियर। भार्गव ब्राह्मण समाज इकाई मुरार द्वारा कोरोना योद्धा शिक्षक एवं पत्रकार सम्मान समारोह कार्यक्रम किया गया जिसमें ग्वालियर के पत्रकार जो कि अपनी जान की बिना परवाह कोरोना में खबर दे रहे है उनको देखकर आज भार्गव समाज ने उनका सम्मान श्रीफल व माला पहनाकर और प्रमाण पत्र देकर उनका सम्मान भव्य रूप से किया गया । जिसमें पहले भगवान परशुराम का पूजन अर्चना करके सुंदरकांड हनुमान चालीसा का पाठ किया गया और प्रसादी वितरण की गई फिर पत्रकार व शिक्षकों का भव्य रूप से सम्मान किया गया। इस अवसर पर भार्गव समाज के वरिष्ठ अतिथि वासुदेव शर्मा संरक्षक रमाशंकर मिश्रा रामेश्वर मास्टर ओम प्रकाश शर्मा उनके साथ समाज के वरिष्ठ अन्य पदाधिकारी समाज एवं सदस्य पंडित दिनेश शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष अध्यक्ष भार्गव समाज इकाई मुरार फौजी नेता पंडित लालता मिश्रा पंडित ब्रह्मदत्त शास्त्री पंडित मनोज दीक्षित कोषा अध्यक्ष महामंत्री पंडित यतेंद्र तिवारी सह सचिव हेमंत कुमार भार्गव युवा अध्यक्ष दीनू पंडित युवा उपाध्यक्ष कपिल दीक्षित युवा मीडिया प्रभारी संजीव शर्मा संगठन मंत्री उमेश मिश्रा आदि के भार्गव समाज पदाधिकारी शामिल रहे।

ग्वालियर जिले की अचल सम्पत्ति की जारी नई गाइडलाइन आज से प्रभावशील

ग्वालियर। जिले की अचल संपत्ती की मार्गदर्शिका वर्ष 2020-2021 केन्द्रिय मूल्यांकन बोर्ड मध्यप्रदेश भोपाल के अनुमोदन उपरान्त गाइडलाइन आईडी 2020202114102 को कलेक्टर एवं जिला मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जारी कर दी है। जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि नई गाइडलाइन एक जुलाई 2020 से अन्य आदेश तक प्रभावशील रहेगी।

30 सितम्बर तक रेत खदानो से रेत का उत्खनन प्रतिबंध रहेगा

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में स्वीकृत रेत खदानों में मानसून सत्र की अवधि में रेत खनन का कार्य एक जुलाई 2020 से 30 सितम्बर 2020 तक पूर्णत- प्रतिबंधित रहेगा। खनिज अधिकारी ने बताया की पूर्व में गठित जिला स्तरीय पर्यावरण समाधान निर्धारण प्राधिकरण (DEIAA) जिला ग्वालियर द्वारा जिले में वर्षा ॠतु के मानसून सत्र की अवधि का निर्धारण किया जाकर मानसून सत्र की अवधि पूर्व में एक जुलाई से 30 सितम्बर तक के लिये निर्धारित की गई है ।

कॉस्मो वैली में अय्याशी करते दबोचा

ग्वालियर। समय 2.15 बजे क्राइम ब्रांच के थाना प्रभारी दामोदर गुप्ता के मोबाइल पर घंटी बजी कलेक्ट्रेट के पीछे कॉस्मो वेली के फ्लेट नम्बर बी-11 में दो युवक और दो युवती अन्दर घुसे हुए और पिछले एक माह से लगभग प्रतिदिन की यही कहानी है। इन लोगों से कॉस्मो वैली के सभी लोग परेशान है। इसी सूचना पर डीएसपी नागेन्द्र सिकरबार, टीआई दामोदर गुप्ता, आईएस नरेन्द्र सिसौदिया, कीर्ति अजमेरिया, एएसआई राजकुमार सिंह और सिरोल थाना प्रभारी पप्पू यादव ने कॉस्मो वैली में मय वीडियो कैमरे महेश भदौरिया के साथ मिलकर दविश दी। जब क्राइम ब्रांच की टीम कॉस्मो वैली के फ्लैट नम्बर बी-11 में वीडियो कैमरा चालू करा कर प्रवेश किया तो उसमें एक युवती अण्डे बना रही तो दूसरी युवती के साथ रंगरंगलिया मना रहा था युवक।

लॉकडाउन अवधि के दौरान अद्भुत स्पर्धा, भारतीय परिधानों कों बढ़ावा

अमित शर्मा रिपोर्टर

ग्वालियर । भारतीय परिधानों कों बढ़ावा देने के लिए लॉक डॉउन में आज की बेटियां सामाजिक संस्था ग्वालियर द्वारा ऑनलाइन wow Womaniya का आयोजन कराया गया था।इस आयोजन में भारत समेत यू एस ए,एरिज़ोना, कनाडा,जर्मनी,वॉशिंगटन से महिलाओं ने भागीदारी दी।2020 की वाओ वूमनिया प्रियंका सिंह सिसौदिया(ग्वालियर), मिसेज वाओ वूमनिया लीना खरे (रतलाम) एवं कैटेगरी बी में मिसेज वाओ वूमनिया सोनिया सांखला (शिवपुरी) रही।साथ ही मिसेज सुभांगी सिंह (जर्मनी) एलिगेंट लुक 2020 से सम्मानित हुई एवं विभूति शर्मा (एरिज़ोना) बेस्ट पोज 2020 से सम्मानित हुई। जजेस की भूमिका में अंजलि बत्रा (समाजसेविका), रानू नाहर (फैशन ब्लॉगर), दीप्ति शर्मा (भोपाल), इला बहल (दिल्ली) और बीनू थापा (मेकअप आर्टिस्ट) ने निभाई।विजेता सिंह द्वारा वाओ वूमनिया 2020 में जोकि पूरे भारत वर्ष से करीब 750 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया जो कि सराहनीय ऑनलाइन प्रतियोगिता रही।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन./31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478